mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-251 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना

10 सितंबर 2024 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

भारतीय क्रिकेट बेहद...

@ पेज 7

बीजेपी ऑफिस में बम धमाके की थी साजिश, बेंगलुरु कैफे ब्लास्ट में एनआईए की चार्जशीट में बड़ा खुलासा

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के रमेश्वरम कैफे में हुए बम धमाके के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने चार आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। चार्जशीट में चौंकाने वाला खुलासा किया गया है। एनआईए की जांच में पता चला कि आरोपियों को बेंगलुरु में हिंसा की अलग-अलग घटना को अंजाम देने के लिए क्रिप्टोकरेंसी के जरिए पैसे मिले थे। चार्जशीट में कहा गया है कि आरोपियों ने 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन बेंगलुरु में कर्नाटक बीजेपी कार्यालय में बम ब्लास्ट का प्लान बनाया था। हालांकि वह सफल नहीं हो पाया। इसके बाद दो प्रमुख आरोपियों ने रामेश्वरम कैफे विस्फोट की योजना बनाई थी। ये धमाका इसी साल मार्च में हुआ था। एनआईए ने अपनी जांच में पाया है कि ये धमाका आईएसआईएस से जुड़े आतंकियों ने किया था। आरोपियों ने बिटकॉइन के जरिए फंडिंग भी हासिल की थी।

सीएम ममता बोलीं

रेप विक्टिम के पेरेंट्स को पैसा नहीं ऑफर किया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार (9 सितंबर) को ममता बनर्जी ने स्टेट सेक्रेट्रिएट नबन्ना में रिव्यू मीटिंग के दौरान कहा कि उन्होंने मृतक ट्रेनी डॉक्टर के माता-पिता को कभी पैसा ऑफर नहीं किया। इसके अलावा उन्होंने केंद्र के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि हम

बिहार में राजनीतिक हलचल

जेडीयू-भाजपा नेताओं की मुलाकात ने बढ़ाई सियासी गर्मी, क्या जल्द ही होगा मंत्रिमंडल विस्तार?

पटना (एजेंसी)। बिहार में इन दिनों लगातार राजनीतिक समीकरण साधे जा रहे हैं। एक तरफ जहां आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मोकामा के लोकसभा सांसद ललन सिंह के साथ जाकर पूर्व बाहुबली विधायक अनंत सिंह से मुलाकात की। वही आज बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा से बंद कमरे में करीब आधे घंटे मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद दोनों के चेहरे खिले हुए नजर आए। जिससे इस बात का अंदाजा लगाया जा रहा है कि दोनों के बीच जो आपसी सहमति बनी है, वो अपने अंजाम तक पहुंचाने के करीब है।

संक्षिप्त समाचार

69000 शिक्षक भर्ती पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

- लखनऊ डबल बेंच ने दिया था नई सूची जारी करने का आदेश, नौकरी कर रहे शिक्षकों को राहत

लखनऊ (एजेंसी)। 69000 शिक्षक भर्ती विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने लखनऊ हाईकोर्ट के फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट का वो फैसला लागू नहीं होगा जिसमें हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने 69000 शिक्षक भर्ती में बनाई गई मेरिट लिस्ट को रद्द कर 3 महीने में नई मेरिट लिस्ट बनाने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट किया है की शिक्षकों की नौकरी नहीं जाएगी।

सीजेआई ने कहा- हम सभी की दलीलें सुनेंगे- मामले में 23 सितंबर को कोर्ट में अगली सुनवाई होगी। सामान्य वर्ग के चयनित अभ्यर्थियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए सीजेआई ने कहा कि हमने हाईकोर्ट का फैसला देखा है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में लिखित दलीलें मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने पक्षकारों से दलीलें दाखिल करने को कहा। सहायक अध्यापकों की नियुक्ति पांच साल पहले हुई थी। अब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को हाईकोर्ट द्वारा स्वीकृत आरक्षण नीति के आधार पर नई मेरिट सूची तैयार करने का निर्देश दिया है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- ड्यूटी पर तुरंत लौटें डॉक्टर

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप-मर्डर केस में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की बेंच ने

तीन मुद्दों - सीबीआई जांच रिपोर्ट, डॉक्टरों की हड़ताल और सीआईएसएफ जवानों की सुविधाओं पर सुनवाई की। सीबीआई की स्टेटस रिपोर्ट में कई बातें सामने आईं। कोर्ट ने कहा कि, एफआईआर में 14 घंटे की देरी हुई है। वहीं कुछ जरूरी दस्तावेज भी गायब हैं। ऐसे में मामला गड़बड़ लगता है। कोर्ट ने राज्य सरकार को मिसिंग डॉक्यूमेंट कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया। वहीं हड़ताल को लेकर कोर्ट ने डॉक्टरों से तुरंत काम पर लौटने को कहा है। सीजेआई ने कहा, अगर मंगलवार शाम 5 बजे तक डॉक्टर ड्यूटी पर नहीं लौटे तो उनके खिलाफ राज्य सरकार को कार्रवाई करने से नहीं रोका जा सकता। डॉक्टरों का पेशा ही मरीजों की सेवा करना है। मामले में अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

पहाड़ों में गुस्से में क्यों है लोग

उत्तराखंड में 10 साल में इतनी बढ़ गई मुस्लिम आबादी?

- 2000 में एक नए राज्य के रूप में बना था उत्तराखंड
- आरएसएस ने भी किया था दावा, बॉर्डर इलाकों में बढ़े मुस्लिम

क्या घुसपैठ बन रहा है बड़ी वजह, यूपी-असम में यही हाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैर हिंदुओं, रोहिंग्या मुसलमानों और फेरी वालों का गांव में व्यापार करना, घूमना वर्जित है। अगर गांव में ऐसा कोई भी कहीं मिलता है तो दंडात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह बात उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले के कई गांवों के बाहर एक बैनर के रूप में लिखकर टांगी गई हैं। सोशल मीडिया पर भी ये तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिसके बाद ऐसे आदेश को लेकर विवाद बढ़ गया है। हालांकि, उत्तराखंड प्रशासन ने कई गांवों से ऐसे बोर्ड हटवा दिए हैं, मगर यह मामला गरमा गया है। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब हाल ही में रुद्रप्रयाग के पड़ोसी जिले चमोली में नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में सांप्रदायिक तनाव फैल गया था। राष्ट्रीय संघ सेवक ने भी बीते जुलाई में ही यह दावा किया था कि देश के सीमावर्ती राज्यों में मुस्लिमों की आबादी बढ़ रही है। आइए-जानते हैं उत्तराखंड की आबादी की हकीकत।

उत्तराखंड की जनसंख्या की वृद्धि दर भी देश के मुताबिक ही गिरी

उत्तराखंड की 2011 की जनगणना के अनुसार, कुल आबादी 10,116,752 है। वहीं, इस दौरान भारत की आबादी की वृद्धि दर में 3.84 फीसदी की गिरावट आई है। भारत की आबादी की 2001 के 21.54 फीसदी के मुकाबले 2011 में 17.70 फीसदी रह गई। वहीं, उत्तराखंड में जनसंख्या वृद्धि दर 2001 के 20.41 फीसदी के मुकाबले अब 18.81 फीसदी रह गई है। उत्तराखंड में क्या बदल रही है डेमोग्राफी? धामी सरकार ने शुरू किया वेरिफिकेशन।

- **2001 में 1 लाख थे मुस्लिम, अब 14 लाख से ज्यादा-** उत्तराखंड का गठन साल 2000 में हुआ था। उस वक्त नए बने राज्य में 2001 की जनगणना के मुताबिक करीब 1 लाख आबादी ही मुस्लिमों की थी, जो 2011 में बढ़कर 14 लाख से ज्यादा हो चुकी है। इस दौरान हिंदुओं की आबादी की वृद्धि दर 16 फीसदी थी तो पूरे दशक के दौरान मुस्लिम जनसंख्या की वृद्धिदर 39 फीसदी हो चुकी है। ये आंकड़े तब के हैं, जब बीते एक दशक से भारत की जनगणना के आंकड़े जारी नहीं हुए हैं।
- **10 साल में ऐसे घट गए हिंदू और बढ़ गए मुस्लिम-** 2001 की जनगणना के अनुसार, उत्तराखंड की आबादी में हिंदू 84.95 प्रतिशत थे, जबकि मुस्लिम 11.92प्रतिशत थे। 2011 की जनगणना तक हिंदू आबादी घटकर 82.97 प्रतिशत रह गई थी और मुस्लिम आबादी बढ़कर 13.95 प्रतिशत हो गई थी। जो दस वर्षों में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है।
- **हरिद्वार में हिंदुओं के बाद मुस्लिम आबादी ज्यादा-** आश्चर्यजनक रूप से हरिद्वार में मुस्लिमों की आबादी भी काफी ज्यादा है।

अमेरिका में राहुल गांधी बोले-

सब कुछ मेड इन चाइना, इसलिए भारत में रोजगार की दिक्कत

पित्रोदा ने कहा- राहुल के पास विजन, वो पप्पू नहीं

टेक्सास (एजेंसी)। राहुल गांधी विपक्ष के नेता के तौर पर पहली बार विदेश दौरे पर हैं। वे रविवार को अमेरिका के टेक्सास राज्य पहुंचे थे। यहां उन्होंने 2 कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। पहले उन्होंने डलास में भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की।

इसके बाद राहुल गांधी ने सोमवार को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के छात्रों से भारतीय राजनीति, इकोनॉमी और भारत जोड़ो यात्रा समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। राहुल ने कहा, 'भारत में सब मेड इन चाइना है। चीन ने प्रोडक्शन पर ध्यान दिया है इसलिए चीन में रोजगार की दिक्कतें नहीं हैं।' कार्यक्रम में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा, राहुल गांधी पप्पू नहीं है, वे पढ़े-लिखे हैं और किसी भी मुद्दे पर गहरी सोच रखने वाले स्ट्रैटजिस्ट हैं। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के तौर पर जिम्मेदारी, भारत के आर्थिक हालात, रोजगार समेत 6 मुद्दों पर अपनी राय रखी।

विपक्ष में अपने रोल पर... मेरा काम राजनीति में प्रेम लाना

मेरा रोल संसद में सरकार के खिलाफ बोलना और उन्हें तानाशाह बनने से रोकने तक सीमित नहीं है। मुझे लगता है कि मेरा रोल भारत की राजनीति में प्यार, सम्मान और विनम्रता लाना है। प्यार और सम्मान सिर्फ ताकतवर लोगों के लिए नहीं, बल्कि उन सबके लिए जो देश को बनाने में जुटे हैं। अमेरिका की तरह भारत में भी कोई राज्य दूसरे से सुपीरियर (ताकतवर) नहीं है। कोई धर्म, भाषा किसी दूसरी भाषा से सुपीरियर नहीं है। लोगों के विचारों को उनकी जाति, भाषा, धर्म, परंपरा या फिर इतिहास की परवाह किए बिना जगह दी जानी चाहिए।

- **भारत की राजनीति पर...बोलने से ज्यादा जरूरी सुनना-** भारतीय राजनीति में सुनना, बोलने से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। सुनने का मतलब है खुद को दूसरे की जगह पर रखना। अगर कोई किसान मुझसे बात करता है तो मैं खुद को उनके रोजमर्रा के जीवन में शामिल करने की कोशिश करूंगा और समझूंगा कि वे क्या कहना चाह रहे हैं। सुनना बुनियादी बात होती है। इसके बाद किसी मुद्दे को गहराई से समझना होता है। हर एक मुद्दे को नहीं उठाना चाहिए। जिस मुद्दे को हम नहीं उठाना चाहते हैं, उसे भी अच्छी तरह से समझना चाहिए। राहुल गांधी ने यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में कहा कि खुद के आइडिया को खत्म कर लोगों के बारे में सोचना ही देवता होना होता है।

मणिपुर राजभवन पर पथराव, 20 घायल

- सुरक्षाकर्मी जान बचाकर भागे; ड्रोन हमलों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर की राजधानी इंफाल में सोमवार को सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स ने राजभवन पर पत्थरबाजी की। इस दौरान सुरक्षाकर्मी भागते दिखे। पुलिस और सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड लगाकर रोका। कई राउंड आंसू गैस के गोले और रबर बुलेट दागे। इसमें 20 स्टूडेंट्स घायल हो गए। मैतेई समुदाय के ये छात्र मणिपुर में अचानक बढ़ी हिंसक घटनाओं को लेकर 8 सितंबर से प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें स्थानीय लोग भी शामिल हैं। रविवार को किशमपट के टिडिम रोड पर 3 किलोमीटर तक मार्च के बाद प्रदर्शनकारी राजभवन और सीएम हाउस तक पहुंच गए। ये गवर्नर और सीएम को ज्ञापन सौंपना चाहते थे। सोमवार को सुरक्षाबलों ने ज्ञापन सौंपने की मांग पूरी कर दी, इसके बाद भी स्टूडेंट्स सड़क पर प्रदर्शन करते रहे। स्टूडेंट्स का कहना है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती तब तक वे यहां डटे रहेंगे। इस दौरान उनकी सुरक्षाबलों के साथ झड़प भी हुई।

सूरत में गणेश पंडाल पर पथराव, जमकर हुई हिंसा

सुबह आरोपियों के अवैध निर्माणों पर चला बुलडोजर, अब तक 33 गिरफ्तार

सूरत (एजेंसी)। गुजरात में सूरत के सैयदपुरा मोहल्ले में रविवार रात गणेश पंडाल पर पथराव करने वाले आरोपियों के खिलाफ सरकार ने कार्रवाई शुरु कर दी है। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे इलाके में कई आरोपियों के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलवा दिया गया।

बता दें, रविवार देर रात 6 युवकों ने पंडाल पर पथराव किया था। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद आरोपियों के घरवाले सैकड़ों लोगों के साथ प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच पथराव शुरू हो गया। इलाके में देर रात तक जमकर हिंसा हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े। इस मामले में 28 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सोमवार सुबह से स्थिति नियंत्रण में है।

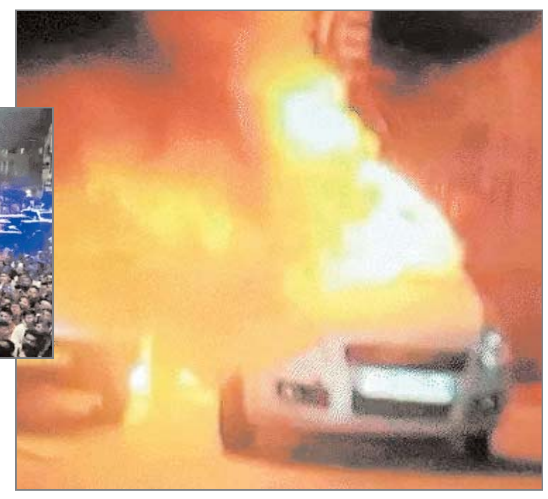

कालिंदी एक्सप्रेस पलटाने की साजिश

ट्रैक पर सिलेंडर से टकराई ट्रेन, पेट्रोल-बारूद मिला

6 संदिग्ध हिरासत में, जमातियों की जांच

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में एक बार फिर ट्रेन को डिरेल करने की कोशिश की गई। अनवर-कासगंज रूट पर रविवार देर शाम यह घटना हुई। कालिंदी एक्सप्रेस ट्रैक पर रखे सिलेंडर से टकरा गई। सिलेंडर फटा नहीं और ट्रेन से टकराकर ट्रैक के किनारे गिर गया।

कालिंदी एक्सप्रेस के लोको पायलट ने तुरंत सीनियर अफसर को सूचना दी। घटना के बाद आरपीएफ,जीआरपी और रेलवे के सीनियर अफसरों ने जांच की। सोमवार सुबह आईबी, एसटीएफ, एटीएस और एनएआई ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

ट्रैक से सिलेंडर के अलावा, बोतल में पेट्रोल, माचिस, एक मिठाई का डिब्बा और झोला मिला है। झोले में बारूद जैसा पदार्थ पाया गया। आरपीएफ ने कहा कि आतंकी साजिश से इनकार नहीं किया जा सकता।

लाड़ली बहना योजना से आत्मनिर्भर बनी - श्रीमती रिंकल नामदेव

भोपाल। भोपाल जिले की ग्राम पंचायत रतनपुर की रहने वाली श्रीमती रिंकल नामदेव की जिंदगी में एक नया अध्याय तब शुरू हुआ जब से लाड़ली बहना योजना के तहत उन्हें हर महीने आर्थिक सहायता मिलने लगी। इस योजना के अंतर्गत बहनों को 1250 रुपये प्रतिमाह मिलते हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय बदलाव आया है। श्रीमती रिंकल नामदेव भी इस योजना से लाभान्वित होने वाली महिलाओं में से एक हैं। श्रीमती रिंकल नामदेव हैं कि योजना से मिली राशि ने उनके जीवन में आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान की भावना को बढ़ावा दिया है। अब उनके बैंक खाते में नियमित रूप से पैसे रहते हैं, और बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। वह गर्व से कहती हैं, अपने लिए मुझे छोटी-छोटी चीजें खरीदने के लिए किसी से मदद मांगने की ज़रूरत नहीं है। लाड़ली बहना योजना ने श्रीमती सीमा राव को सिर्फ आर्थिक रूप से ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त बनाया है। वह कहती हैं अब मेरी इच्छाओं को जैसे पंख लग गए हैं। स्वयं बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए ना तो मुझे अपने पति से पैसे मांगने की ज़रूरत है, ना ही किसी और पर निर्भर रहने की। मैं खुद अपना एटीएम कार्ड लेती हूँ, पैसे निकालती हूँ और जो भी जरूरत होती है, उसे बिना किसी हिचक के पूरा करती हूँ। श्रीमती नामदेव के अनुसार लाड़ली बहना योजना ने उनके परिवार में खुशियों की एक नई सौगात दी है। स्वयं बच्चों को मनचाहा सामान दिलाने और उनकी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा कर पाने की खुशी उनके चेहरे पर साफ झलकती है। वह इस योजना के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दिल से धन्यवाद करती हैं और कहती हैं, मुख्यमंत्री जी ने हम बहनों को जो सौगात दी है, उससे हमारी जिंदगी में एक नया मोड़ आया है। अब हम न केवल आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत हो गई हैं।

ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी एक्सप्रेस में 5 जनरल कोच जोड़े

भोपाल। प्रतीक्षा सूची को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लियर करने एवं आगामी त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा के लिए, गाड़ी संख्या 12198/12197 ग्वालियर-भोपाल-ग्वालियर इंटरसिटी एक्सप्रेस में 9 सितंबर से 31 दिसंबर तक सामान्य श्रेणी के 5 अतिरिक्त कोच अस्थायी रूप से लगाने का निर्णय लिया गया है। इस परिवर्तन के बाद गाड़ी में कुल 21 कोच होंगे, जिनमें 16 सामान्य श्रेणी, 1 वातानुकूलित कुर्सीयान, 2 द्वितीय श्रेणी कुर्सीयान और 2 एसएलआरडी कोच शामिल होंगे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस सुविधा के बाद सीधे करीब 500 से अधिक यात्रियों को राहत मिलेगी।

कलचुरि कलार समाज का प्रतिभा-अभिनंदन समारोह

भोपाल। वरिष्ठ नागरिक मंच कलार कलचुरि समाज भोपाल ने अपना 26 वां स्थापना दिवस प्रतिभा-अभिनंदन-सम्मान समारोह के रुप में रविवार को मनाया। कार्यक्रम भोपाल के एलएनसीटी विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया था। इस मौके पर मंच ने वार्षिक पत्रिका कलचुरि दर्पण का विमोचन किया। समिति की अध्यक्ष कल्पना राय ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री सहस्त्रबाहु के चित्र का पूजन अर्चन कर किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि मेयर मालती राय, पूनम जयनारायण चौकसे ने दीप प्रज्ज्वलित किया। समारोह में सम्मिलित हुए अतिथि गण का समिति द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। इसके बाद प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शिक्षा - प्रोत्साहन के रुप में आर्थिक सहयोग प्रदान कर प्रशस्ति पत्र दिए गए। विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले समाज जन का स्वागत अभिनंदन किया गया। वरिष्ठ समाजसेवी 80+ बुजुर्गों का सम्मान, वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण किये दंपतियों का स्वागत सम्मान किया गया। प्रेरणा स्रोत समाज सेवियों के परिवारों का स्मृति -सम्मान देकर सम्मानित किया गया, पुलिस विभाग से भंवरलाल जायसवाल, कवि वृंदावन सरल राय का विशेष सम्मान किया गया।

इस मौके पर अध्यक्ष कल्पना राय ने अतिथि तथा सभी सामाजिक सदस्यों का स्वागत किया। मालती राय, पूनम जयनारायण चौकसे, एड एम एल राय, राजाराम शिवहरे, शंकर लाल राय, कौशल राय, राजन सेवईवार, डी पी गुप्ता ने भी अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज कल्याण की बात कही। कार्यक्रम में मंच का संचालन प्रकाश मालविया और वैभव वर्मा ने किया। वहीं हरीश मालवीय ने अंत में सभी अतिथियों और समाजजनों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अनेक सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिक्षा से ही हर समाज आगे बढ़ेगा, अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाएं-खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल। किसी भी समाज को आगे बढ़ाने तथा उसका विकास करने के लिए शिक्षा जरूरी है, इसलिए अपने बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलायें जिससे हमारा समाज और आगे बढ़े। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने यह बात राहतगढ़ में आयोजित लवकुश जयंती महोत्सव में कही। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशवाह समाज के लिए अनेकों योजनाएं चलाई है। हमारी सांसद डॉ. लता वानखेड़े कुशवाह समाज की बेटी हैं। हम

सब परिवार की तरह मिलजुल कर रहे और अपने समाज, क्षेत्र व देश के विकास में सहयोग करें। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि कुशवाह समाज एक शिक्षक समाज है। इस समाज के लोग बड़े-बड़े पदों पर आसीन है। कुशवाह समाज समृद्ध और संपन्न समाज है। सुरखी विधानसभा क्षेत्र के जैसीनगर में कुशवाह समाज के लिए 50 लाख की लागत से भवन बनाया जा रहा है जहां समाज के लोग अपने सभी कार्यक्रम संपन्न कर सकते हैं। खाद्य मंत्री श्री राजपूत मंत्री ने कहा कि हमने राहतगढ़ क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी है। चाहे राहतगढ़ वॉटरफॉल हो या सीएम राईज स्कूल। उन्होंने कुशवाह समाज के मंदिर के गुंबद निर्माण हेतु ढाई लाख रुपए की राशि सहित भजन मंडली एवं अन्य कार्यों के लिए सामग्री प्रदान किए जाने की घोषणा की। प्रातः 11 बजे से लव कुश भगवान की शोभायात्रा लव कुश मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए मंगल भवन में पहुंची, जहां कुशवाह समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का मंत्री श्री राजपूत द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष गुलाब सिंह राजपूत सहित कुशवाह समाज के प्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

एमपी ट्रांसको के वर्क कल्चर में वेबिनार से हुआ सकारात्मक बदलाव

भोपाल। कोविड-19 के समय भय और वातावरण में मजबूरी बनी ऑनलाइन वेबीनार को एमपी ट्रांसको ने अपनी मजबूती में बदल लिया है। आपदा में अवसर की तलाश कर एमपी ट्रांसको में पिछले 87 सप्ताह से लगातार ऑनलाइन वेबीनार जारी है। इसमें पूरे प्रदेश के ट्रांसको के युवा इंजीनियरों के साथ सिस्टम में लगातार बदल रही तकनीक और उनके एडॉप्शन के बारे में संवाद किया जा रहा है। वेबीनार में एक साथ 500 लोगों के जुड़ने की व्यवस्था है। कार्मिकों की डे-टू-डे वर्किंग को आसान बनाने के उद्देश्य से एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता श्री सुनील यादव की इस अद्भुत सोच और क्रियान्वित करने की इच्छा शक्ति ने इसे आज एम पी ट्रांसको की आवश्यकता बना दिया है। एमपी ट्रांसको के श्री सुनील यादव ने बताया कि वेबीनार का उपयोग कर विशेषज्ञ जानकारी साझा करने के लिए यह एक प्रभावी टूल साबित हुआ है, जिसके कारण बेहतर इंटरेक्शन संभव हो पाया है। एमपी ट्रांसको के अनुभवी इंजीनियरों के साथ नई पीढ़ी के युवा इंजीनियरों के तालमेल ने इस वेबिनार को ज्ञानवर्धक और इंजीनियर्स को प्रो-एक्टिव बनाने में सहयोग दिया है। इससे अनेक बार ट्रांसफॉर्मर, ट्रांसमिशन लाइन, सब स्टेशनो आदि में आने वाली दिक्कतों का समय पर समाधान हो पा रहा है। तकनीकी और प्रबंध विषयों पर जारी इस अद्भुत वेबीनार में हर बार अलग-अलग थीम पर संवाद होता है। इसका सबसे बड़ा फायदा घटते मानव संसाधन के बावजूद स्किल ट्रांसफर हो रहा है। फील्ड में कार्य कर रहे इंजीनियर और अधिक आत्मविश्वास, समर्पण, सतर्कता और एफिशिएंसी के साथ कार्य करने लगे हैं। इससे युवा इंजीनियरों की एक प्रशिक्षित बेंच स्ट्रेंथ तैयार की जा रही है। श्री यादव ने बताया कि इस वेबीनार में मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारी भी जुड़े रहते हैं।

लाड़ली बहना योजना ने दुर्गा के जीवन में लाया बदलाव

भोपाल। श्रीमती दुर्गा एक गृहिणी हैं जो पहले बच्चों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए परिवार पर निर्भर रहती थीं। छोटे-छोटे खर्चों के लिए भी उन्हें कई बार सोचने पर मजबूर होना पड़ता था। लेकिन जब से उनके बैंक खाते में नियमित रूप से लाड़ली बहना योजना के तहत पैसे आने लगे, उनकी ज़िंदगी बदल गई। अब वह खुद बच्चों के लिए जरूरी सामान बाजार से खरीदकर लाती हैं। श्रीमती दुर्गा बताती हैं मुझे हर महीने लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत 1250 रुपये मिलते हैं और इस राशि ने मेरी दुनिया बदल दी है। अब मुझे बच्चों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए किसी से हाथ के सामने नहीं फैलाना पड़ता। मैं खुद बैंक से पैसे निकालकर अपने बच्चों को मनचाही चीजें दिला रही हूं। 15 महीनों में 15 किश्तें मिलने के बाद श्रीमती दुर्गा को यह अहसास हुआ कि अब उन्हें अपनी और बच्चों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए किसी और पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। वे कहती हैं मेरी इच्छाओं को पंख लग गए हैं।

एलएनसीटी में स्पोर्ट्स अचीवर्स अवॉर्ड समारोह

भोपाल। भोपाल में कैप्टन रूपसिंह के 117वें जन्मदिन के मौके पर एलएनसीटी स्पोर्ट्स अचीवर्स अवॉर्ड समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के उत्कृष्ट खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि, ओलंपियन और अर्जुन अवॉर्डी अशोक ध्यानचंद ने कहा कि एलएनसीटी ने मेरे चाचा कैप्टन रूपसिंह जी के नाम को अमर कर दिया है। इस अवसर पर खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए हकीम सैफी को खेल प्रमोटर अवार्ड से सम्मानित किया गया। साथ ही एलएनसीटी के ऑल इंडिया इंटरव्यू यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले मेडलिस्ट खिलाड़ियों को कुल 2 लाख 65 हजार रुपये की राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दीपा राजपूत को क्याकिंग केनोइंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण, खुशप्रीत कौर को

रोइंग सीनियर एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड, और जिज्ञासा राजपूत को राष्ट्रीय एलिट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। अभय परिहार को खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में स्वर्ण, रेनू यादव को खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी में रजत पदक मिला। आशीष चौकसे को एशियन गेम्स में रजत और राजवीर सिंह व कनिष्क शर्मा को ताइक्वांडो राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दो स्वर्ण और पांच रजत पदक दिए गए। शशांक बाथम को सेलिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण, अभिषेक मुडलवाल को ट्रायथलॉन में सम्मान, और चंपा मौर्य को सललम वॉटर स्पोर्ट्स एशियाई गेम्स में सहभागिता के लिए सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षकों में कैप्टन दलबीर सिंह, डॉ. हबीब हसन, विजय शाह और रिजवान अली को भी सम्मानित किया गया। प्रदेश के उत्कृष्ट खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को किया गया सम्मानित । सम्मानित खिलाड़ियों में रंजीता सिन्हा (कराते), कशिश सिंह, सोनाली विश्वकर्मा, रेनू प्रिया ठाकुर, अंशुल सेंधवा, मुकेश, कुलदीप मिश्रा, नितेश मीणा (गतका), सरीम खान (शूटिंग), सौम्या दुबे (जूडो), लक्ष्य प्रसाद, सिद्धांत कुशवाहा, जटाशंकर यादव, ध्रुव खन्ना, हर्ष चौहान, मानसी साहू, शिक्षा उपाध्याय, जय लोधी, हिमांशु पाठक, सोमेश पवार, और शयन सिंह शामिल हैं।

लाड़ली बहना योजना ने श्रीमती रजनी के जीवन में लाया बदलाव

भोपाल। भोपाल जिले की शहीद नगर निवासी- श्रीमती रजनी एक गृहिणी हैं जो पहले बच्चों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए परिवार पर निर्भर रहती थीं।

छोटे-छोटे खर्चों के लिए भी उन्हें कई बार सोचने पर मजबूर होना पड़ता था। लेकिन जब से उनके बैंक खाते में नियमित रूप से लाड़ली बहना योजना के तहत पैसे आने लगे, उनकी ज़िंदगी बदल गई। अब वह खुद बच्चों के लिए जरूरी सामान बाजार से खरीदकर लाती हैं। श्रीमती रजनी बताती हैं मुझे हर महीने लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत 1250 रुपये मिलते हैं और इस राशि ने मेरी दुनिया बदल दी है। अब मुझे बच्चों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए किसी से हाथ के सामने नहीं फैलाना पड़ता। मैं खुद बैंक से पैसे निकालकर अपने बच्चों को मनचाही चीजें दिला रही हूं। 15 महीनों में 15 किश्तें मिलने के बाद श्रीमती रजनी को यह अहसास हुआ कि अब उन्हें अपनी और बच्चों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए किसी और पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। वे कहती हैं मेरी इच्छाओं को पंख लग गए हैं। मैं खुद अपने एटीएम से पैसे निकालती हूँ और सामान खरीद लेती हूँ। श्रीमती रजनी विशेष रूप से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद देती हैं जिन्होंने इस योजना के ज़रिए उनके जीवन में खुशियों की नई सौगात दी है। अब वह अपने बच्चों को मनचाही चीजें खिला रही हैं

केले की प्राकृतिक खेती ने बदल दी कृषक पूरनलाल की तकदीर

भोपाल। नया दौर, नया दौर की नई बात। परम्परागत खेती अब गुजरे वक्त की बात हो गई है। अब दौर प्राकृतिक और उन्नत खेती का है। प्राकृतिक खेती से होने वाली उपज की आजकल भारी मांग है और इसमें फायदा भी बहुत है। प्राकृतिक खेती के इन्हीं फायदों से प्रभावित होकर किसान पूरनलाल ने अपने खेत में प्राकृतिक पद्धति से केले की खेती करना प्रारंभ कर दिया। उन्होंने टिश्यू कल्चर से तैयार जी-9 किस्म का केला लगाया। बड़ी मात्रा में केलों का उत्पादन कर पूरनलाल ने इस साल मात्र एक एकड़ में की गई केला पैदावार बेचकर 4 लाख रूपये कमा लिये हैं। अब तो पूरनलाल अपने सारे खेत में प्राकृतिक खेती से ही पैदावार ले रहे हैं। किसान से केला व्यापारी बनने वाले श्री पूरनलाल इनवाती छिन्दवाड़ा जिले के हरई ब्लॉक के भुमका गाँव में रहते हैं। पूरनलाल प्राकृतिक पद्धति से केले की खेती के अलावा जहाँ बैंगन, टमाटर, मक्का की फसल ले रहे हैं, वहीं उन्होंने अपने खेत में आम, कटहल, आंवला, सेब, एप्पल बेर, ड्रेगन फ्रूट, नीबू, संतरा और काजू के पौधे भी लगाये हैं। पूरनलाल ने अपने खेत में ड्रिप इरीगेशन सिस्टम (टपक सिंचाई

पद्धति) लगा रखा है। वह अपनी फसल के अवशेषों का समुचित प्रबंधन कर इससे खाद भी पैदा कर रहे हैं। यही खाद इनकी फसल के लिये अमृत का काम कर रही है। इससे उनके खेत की मिट्टी की गुणवत्ता में भी सुधार हो रहा है। साथ ही मिट्टी की उर्वरकता भी बढ़ रही है। पूरनलाल बताते हैं कि उनके खेत का केला जबलपुर मंडी में छिन्दवाड़ा का केला नाम से प्रसिद्ध हो गया है। सामान्य केला जहाँ 15 से 18 रूपये प्रति किलो बिकता है। वहीं उनका प्राकृतिक पद्धति वाला केला 25 रूपये प्रति किलो की दर से बिक रहा है। इससे उन्हें अच्छा मुनाफा हो रहा है। पूरनलाल प्राकृतिक खेती के अलावा कड़कनाथ मुर्गा पालन, बकरी पालन के साथ मछली पालन व्यवसाय भी कर रहे हैं। खेती की लगभग हर विधा को पूरनलाल ने अपना लिया है। पूरनलाल के पास कुल 6 एकड़ कृषि भूमि है।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का ज्ञान देने प्रदेश में 3390 आईसीटी लैब स्थापित

भोपाल। प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संदर्भ में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में डिजिटल लिटरेसी को विकसित करने के उद्देश्य से आईसीटी (इन्फार्मेशन एण्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी) लैब स्थापित की जा रही हैं। प्रदेश में अब तक 3390 आईसीटी लैब स्थापित की जा चुकी हैं। केन्द्र सरकार की इस योजना में स्कूल में कम्प्यूटर लैब स्थापित की जा रही हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से कम्प्यूटर लैब की स्थापना का कार्य विकेन्द्रीकृत तरीके से जिलों द्वारा किया जा रहा है। आईसीटी लैब की नियमित मॉनिटरिंग एवं मासिक समीक्षा गतिविधियों के लिये विमर्श पोर्टल में एक इंटीग्रेटेड

मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किया गया है। डिजिटल लिटरेसी से संबंधित कौशल आज के तकनीकी युग की आवश्यकता बन चुकी है। जिसमें भविष्य में विद्यार्थियों को अच्छे करियर ऑप्शन हो सकें। इसको ध्यान में रखते हुए आईसीटी लैब के अध्यापन से संबंधित पाठयवस्तु का निर्धारण किया गया है।

कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों के लिये आईसीटी से संबंधित विषयवस्तु तैयार की गई है। आईसीटी लैब के माध्यम से विद्यार्थियों को कम्प्यूटर, इंटरनेट और अन्य डिजिटल साधनों का उपयोग करने का प्रशिक्षण भी मिल रहा है, जिससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की आईसीटी के प्रति रूचि बढ़ी है। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार के लिये स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इस कार्य में अनेक स्वयंसेवी संगठन शिक्षा से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में राज्य सरकार की मदद कर रहे हैं। इसी तरह का एक संगठन श्रीराम फाइबर फाउण्डेशन (एसआरएफ) कार्य कर रहा है। भिण्ड एवं धार जिले में बेसिक इलेक्ट्रीशियन ट्रेनिंग सेंटर चलाये जा रहे हैं। इन सेंटर में 18 वर्ष से अधिक के युवाओं को 4 माह का इलेक्ट्रिक से संबंधित कोर्स कराया जा रहा है। कोर्स पूरा होने पर इलेक्ट्रिक किट भी प्रदान की जा रही है।

मुख्य सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से स्वच्छता ही सेवा अभियान के संबंध में दिए निर्देश

अभियान का 17 सितम्बर को समारोह पूर्वक शुभारंभ करें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश की मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वच्छता ही सेवा अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। कलेक्टर जिला स्तर पर आयोजित होने वाले अभियान की भलीभांति तैयारी कर लें। अभियान का 17 सितम्बर को समारोह पूर्वक शुभारंभ करें।

इस समारोह में प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायकगण तथा अन्य जनप्रतिनिधियों से शामिल होने का अनुरोध करें। यह अभियान समग्र स्वच्छता अभियान से जुड़ा हुआ है। अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करके हर व्यक्ति की इसमें भागीदारी सुनिश्चित करें। अभियान में अन्य विभाग भी अपनी सरि य भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यालय परिसरों तथा सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाएं। इसमें सामाजिक संगठनों और आमजनता की भी भागीदारी सुनिश्चित करें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मुख्य सचिव ने कहा कि आगामी त्यौहारों को लेकर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सुरक्षा के उचित प्रबंध करें। प्रमुख त्यौहारों, पर्वों और मेलों में सुरक्षा के उचित प्रबंध करें। रेल परियोजनाओं तथा अन्य महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों के लिए आवश्यक भू अर्जन करके संबंधित विभाग को उपलब्ध कराएं जिससे निर्माण कार्यों में देरी न हो।

कलेक्ट्रेट के एनआईसी केंद्र से कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, अपर कलेक्टर राजेश शाही, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा सहित समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नदी में नहा रहा बालक भी तेज बहाव में बहा

3 घंटे चले रेस्क्यू के बाद मिली लाश; आकाशीय बिजली गिरने से पांच मवेशियों की मौत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सोमवार को नदी में नहा रहा 9 वर्षीय बालक नदी के तेज बहाव में बह गया, जिससे उसकी मौत हो गई है। तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में आने से पांच मवेशियों की मौत हो गई है। तो यह दोनों घटना अलग-अलग थाना क्षेत्र में घटित हुई हैं।

ब्यौहारी के बोड्हिा नदी में सोमवार को नहा रहा 9 वर्षीय बालक नदी के तेज बहाव में बह गया। पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई है। पुलिस के अनुसार बालक अभिरेंद्र सिंह पिता धर्मेंद्र सिंह (9) गांव की नदी में नहा रहा था। तभी तेज बारिश हुई और नदी में तेज बहाव आया पानी के तेज बहाव में बालक फंस गया और नदी से बाहर नहीं निकल पाया, जिससे वह गहरे पानी में डूब गया।

नदी के किनारे अन्य लोग भी मौजूद थे, जब बालक को उन्होंने नदी से बाहर निकलते नहीं देखा तब जाकर बालक की ग्रामीणों की के द्वारा तलाश की गई। पुलिस ने ग्रामीणों के साथ बालक की तलाश नदी में शुरू कर दी।

3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस व ग्रामीणों ने घटना स्थल से 1 किलोमीटर दूर बालक का शव बरामद कर लिया है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई कर मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

बिजली गिरने से पांच बकरियों की हुई मौत:

दूसरी घटना में तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिर गई। जिसकी चपेट में आने से जंगल में विचरण कर रहे पांच मवेशियों की मौके पर मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक जैतपुर के भरुआ जंगल में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पांच बकरियों की मौत हो गई है।

राजीव सिंह बकरियों को लेकर जंगल चराने गया था तभी तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिर गई। राजीव बारिश से बचने के लिए नजदीकी एक पेड़ के नीचे खड़ा था, राजीव को भी उसके झटके लगे हैं। हालांकि युवक को मामूली चोट पहुंची है। पुलिस मौके पर पहुंच पड़ताल कर रही है।

शिकारगंज में गांवों की समस्याओं को लेकर बैठक

मीटिंग में टीम गठन करने का फैसला लिया, ग्रामीण इसे अपनी शिकायत बताएंगे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के रामपुर नैकिन जनपद पंचायत क्षेत्र से सटे 90 गांव हैं। इन गांवों में की समस्याओं को लेकर सरपंच, उप सरपंच, समाजसेवी सहित कई संगठनों के पदाधिकारियों ने विश्राम गृह शिकारगंज में बैठक की। सोमवार को बैठक में तय किया गया कि एक टीम का गठन किया जाएगा।

जिसमें गांव के लोग भी सम्मिलित रहेंगे। जहां गांव के अंतर्गत होने वाली लोगों की समस्याओं को सुना जाएगा और फिर उसे आंदोलन के रूप में चिह्नित करके उन मांगों को प्रशासन के सामने रखा जाएगा। ताकि लोगों को सही समय पर और उचित न्याय मिल सके।

बैठक के दौरान एडवोकेट अंबुज पांडे ने बताया कि सभी समाजसेवी, सरपंच और अन्य पदाधिकारियों ने एक साथ मिलकर यह निर्णय लिया है कि एक कमेटी सभी कामों को देखेगी और उसका निर्णय सभी को मान्य होगा।

अगर लोगों के काम नहीं होंगे तो वह कमेटी के पास आकर शिकायत कर सकेंगे और उनकी समस्याओं को देखकर संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के पास जाया जाएगा। अगर मांग पूरी नहीं हुई तो आंदोलन के रूप में उसे किया जाएगा।

बैठक में मुख्य रूप से सचिन सिंह सरपंच बुढगौना, एड.रंजना मिश्रा, एड. अम्बुज पांडे सतीश सिंह , उमाकांत पाण्डेय, रामस्वरूप यादव, सरपंच चोभरा दिग्विजय सिंह के साथ कई गांव के सरपंच, उप सरपंच अधिवक्ता सहित अन्य समाजसेवी भी मौजूद रहे।

एडवोकेट के घर के बाहर ब्लास्ट, परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित, बम स्क्वायड टीम जांच करने पहुंची

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर की दूर ग्राम बरदैला में रविवार रात एडवोकेट पी. पी. पांडे के घर के पास जोरदार धमाका हुआ। जिसकी वजह से पूरा परिवार दहशत में आ गया। घर के लोग तुरंत बाहर निकले। सोमवार को पुलिस, बम स्क्वायड, डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची।

घटना रामपुर नैकिन थाना अंतर्गत ग्राम बरदैला की है। जहां रविवार देर रात ब्लास्ट हुआ। इससे पूरे गांव में दहशत का माहौल है। घटना के बाद लोगों ने डायल हंड्रेड की टीम को सूचना दी। इसके बाद मौके पर देर रात पुलिस पहुंची। सोमवार को सुबह होते ही पुलिस ने बम स्क्वायड को सूचना दी। सुबह 11 बजे बम स्क्वायड, डॉग स्क्वायड की टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। लेकिन हमले को कोई भी ठोस सबूत नहीं मिला।

फरियादी पी पी पांडे ने बताया कि रविवार रात 11.25 पर हम सभी खाना खा रहे थे। तभी जोरदार धमाका हुआ। धमाके की वजह से मेरी हिम्मत नहीं पड़ रही थी कि मैं बाहर निकल जाऊं। तब मैंने अपने अधिवक्ता साथी गौरी शंकर को फोन लगाया और उन्हें मौके पर बुलाया।

इसके बाद गौरी शंकर और अन्य लोगों ने आकर देखा तो बम होने की जानकारी लगी। हालांकि पहले तो मुझे लगा कि सिलेंडर में कहीं ब्लास्ट हुआ है। लेकिन लोगों ने बताया कि विस्फोटक सामग्री से ब्लास्ट हुआ है। इसके बाद हमने पुलिस को सूचना दी।

थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी ने कहा कि बीती रात यह घटना है। जैसे ही हादसा हुआ। मैं अभी टीम के साथ मौके पर पहुंचा और बम स्क्वायड को सूचना दी। हम मामले की जांच कर रहे हैं।

ओपीडी व्यवस्था तथा मरीजों को एम्बुलेंस की सुलभ व्यवस्था के संबंध में कलेक्टर ने दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने मरीजों को एम्बुलेंस की सुलभ उपलब्धता की सरल व्यवस्था बनाए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिला चिकित्सालय में ओपीडी व्यवस्था को भी दुरुस्त करने तथा व्यवस्थाओं की मॉनीटरिंग के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों की लिखित ड्यूटी लगाने, निरीक्षण प्रतिवेदन प्राप्त कर आवश्यक सुधार लाने तथा जिला चिकित्सालय में सुरक्षा गार्ड की तैनाती तथा सीसीटीव्ही कैमरे की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में समयावधि पत्रों की समीक्षा कर रहे थे।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, सहायक कलेक्टर श्री महिपाल सिंह गुर्जर, संयुक्त कलेक्टर श्री दिलीप पाण्डेय, एसडीएम कोतमा श्री अजीत तिर्की, एसडीएम जैतहरी श्रीमती अंजली द्विवेदी, एसडीएम अनूपपुर श्रीमती दीपशिखा भगत, एसडीएम पुष्पराजगढ़ श्री सुधाकर सिंह बघेल, एसडीओ वन श्री अरिहंत कोचर, तहसीलदार तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कहा है कि गौवंश को आम रास्तों से हटाने के लिए स्थानीय निकायों द्वारा लगातार कार्य किया जाए, जिससे गौवंश और नागरिकों को किसी तरह की दुर्घटना का शिकार न होना पड़े। उन्होंने स्थानीय निकायों को गौवंश के सुरक्षा के दृष्टिगत स्थाई समाधान के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने खसरा के ई-केवाईसी कार्य को लगातार कर लंबित स्थिति में प्रगति लाने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने टीएल बैठक में प्रधानमंत्री जन-मन के तहत सभी पैरामीटर में प्रगति परिलक्षित करने के निर्देश सर्व संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। कलेक्टर ने पीएम जन-मन के तहत सभी पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने तथा स्वास्थ्य विभाग के सभी पैरामीटर पर कार्य करने के संबंध में सीएमएचओ को निर्देश दिए। उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को जाति प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए हैं।

जिला चिकित्सालय अनूपपुर में प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र खोले जाने के संबंध में की गई तैयारी की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने मरीजों की सुविधा हेतु प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र का संचालन शीघ्र प्रारंभ करने के संबंध में सीएमएचओ को निर्देशित किया है।

बैठक में कलेक्टर ने कमजोर बच्चों को पूरक पोषण आहार की उपलब्धता के लिए प्लान बनाकर कार्य करने के संबंध में सीएमएचओ को निर्देशित किया है। उन्होंने मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम के तहत निर्देशानुसार विशेष भोज प्रत्येक माह आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। जिला चिकित्सालय में संचालित वन स्टॉप सेन्टर का प्रचार-प्रसार करने, अवैध रूप से संचालित क्लीनिक तथा चिकित्सा करने वालों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सिकल सेल मरीजों के स्क्रीनिंग तथा बेहतर उपचार के संबंध में भी निर्देश दिए।

बैठक में पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत हैण्डीक्राफ्ट तथा गोंड पेंटिंग की विधा को जिले में विस्तार देने के लिए कलेक्टर ने जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक को प्रशिक्षणार्थी तथा प्रशिक्षक के चिन्हांकन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि जिले की इम्पैनल एजेन्सी में भी बदलाव किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने प्रत्येक राजस्व न्यायालयों में आधार अपडेशन मशीन लगाने के निर्देश दिए हैं, जिससे संबंधित क्षेत्रों को आधार अपडेशन में सुविधा हो सके।

बैठक में कलेक्टर ने जल जीवन मिशन अंतर्गत परियोजना कार्यों की पूर्णता पश्चात् सत्यापन कराने तदुपरांत जिला पंचायत सीईओ के अनुमति प्राप्त कर हैण्डओवर की कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। बैठक में कलेक्टर ने फ्लाई ऐश तथा कोयले का परिवहन वाहनों में तिरपाल से ढककर किए जाने के निर्देश का सख्ती से पालन करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि निर्देशों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही की जाए।

बैठक में कलेक्टर ने समयावधि पत्रों, सीएम मानिट, सीएम डैशबोर्ड/सीएम घोषणा, सीएम हेल्पलाईन, जन आकांक्षा पोर्टल, कमिश्नर टीएल प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि निराकरण प्रतिवेदन भी संबंधित पोर्टल में समय पर अपडेट किया जाए, जिससे मानीटरिंग सुलभता से की जा सके।

पेड़ से टकराकर खेत में घुसी कार, हादसे के तुरंत बाद कार से उतर कर भागे चार युवक, पुलिस को मिले कई खाली जार

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। तेज रफ्तार कार सोमवार को खेत में जा घुसी। इस घटना के बाद कार सवार सभी लोग भाग गए। जब ग्रामीण और पुलिस वहां पहुंची तब कार में रखें खाली जार और पाइप मिले। पुलिस ने मौके से कार को जब्त कर थाने में लाकर खड़ा कर दिया और जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों के अनुसार कार में रखी वस्तु डीजल चोरी के कार्य में आती हैं। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के पुरैना गांव में एक तेज रफ्तार कार सोमवार को पेड़ से टकराते हुए खेत में जा घुसी। घटना के तुरंत बाद कार में सवार सभी लोग मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों ने बताया कि कार में चार लोग सवार थे। घटना के तुरंत बाद कार में सवार चारों युवक कार से कूद कर बाहर निकले और दौड़ लगा दी। वहीं पास में मौजूद ग्रामीणों को इसे देख कुछ संदेह हुआ। ग्रामीणों ने युवकों को पकड़ने की कोशिश की। लेकिन चारों युवक रफू चक्कर हो गए। जिसके बाद ग्रामीण कार के पास पहुंचे तो देखा कि कार में बड़े-बड़े खाली जार रखे हुए हैं। एक बड़ा सा मोटा सटक भी कार में मौजूद था।

ग्रामीणों को संदेह हुआ और मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। जानकारी लगने के बाद ब्यौहारी पुलिस मौके पर पहुंची और कार सीजी 16 सी एस 5059 को ट्रैक्टर से खिंचवाकर खेत से बाहर निकाला।

डीजल चोर गैंग हो सकते हैं सदस्य: थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया कि अलग-अलग स्थनों से हाईवे में खड़े ट्रैकों से डीजल चोरी के मामले सामने आते हैं। कार में मौजूद सामग्री से ऐसा संदेह हो रहा है कि यह डीजल चोर गिरोह हो सकते हैं। कार में मौजूद जार खाली मिले हैं और सटक भी बरामद हुआ है। इन सब चीजों की मौजूदगी कार में मिलने से ऐसा कहा जा सकता है की यह डीजल चोरी करने वाले ही लोग होंगे।

14 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने आगामी 14 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक मनाए जाने वाले स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए सभी से भागीदारी की अपील की है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिला स्तर पर स्वच्छता श्रमदान, जनजागरूकता हेतु साईकल रैली तथा अन्य कार्यक्रम आयोजित होंगे।

इस दौरान सभी स्कूलों में साफ-सफाई का कार्य, सूखा एवं गीला कचरा के पृथकीकरण के संबंध में जनजागरूकता कार्यक्रम के साथ ही सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विकासखण्ड स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

वन विभाग ने आश्रम को गिराया, ग्राम धुम्मा में हनुमान मंदिर के पास बना था, ग्रामीणों ने जताया विरोध

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले की चुरहट में ग्राम धुम्मा में प्राचीन हनुमान जी का मंदिर बना है। इसके ठीक बगल में एक आश्रम का निर्माण 7 साल पहले करवाया गया था। 5 सिंतबर को यह आश्रम वन ?विभाग ने गिरा दिया।

इसके बाद रविवार को ग्रामीण जंगल में बने मंदिर पहुंचे। तब उन्होंने आश्रम को गिरा देखा। तो वे आक्रोशित हो गए। सोमवार को ग्रामीणों ने इसकी शिकायत जिला पंचायत सदस्य और वन स्थायी समिति के अध्यक्ष कृष्ण लाल प्यासी से की है। इसके बाद कृष्ण लाल प्यासी ने कलेक्टर को पत्र लिखकर इसका विरोध किया है।

जिला पंचायत सदस्य कृष्ण लाल प्यासी ने बताया कि प्राचीन हनुमान जी का मंदिर ज बना है। उसके बगल में एक आश्रम का निर्माण करवाया गया था। इस आश्रम का निर्माण आज नहीं बल्कि बीते 7 सालों पहले करवाया गया था। लेकिन अचानक से डीएफओ क्षितिज कुमार ने एक आदेश पारित किया और 5 सितंबर को उसे आश्रम को जमींदोज कर दिया गया।

इसी आश्रम में लड़के और लड़कियों का विवाह भी करवाया जाता था। साथ ही पूजा करने वाली पुजारी का भी यह निवास स्थान था। जिसको लेकर सोमवार को सीधी कलेक्टर को पत्र लिखकर मैंने इस कार्रवाई की निंदा की है। साथ ही साथ आश्रम फिर से बनवाने की मांग भी की है।

वन विभाग चुरहट के रेंजर नवीन सिंह ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारी डीएफओ के निर्देशन पर यह कार्रवाई की गई है। हमने सिर्फ उनके आदेशों का पालन किया है। यह भवन वन विभाग की जमीन पर बना था। इसलिए आश्रम को गिराया गया है।

संपादकीय

पौधे ही सर्वोत्तम गिफ्ट

पश्चिमी सभ्यता का अनुकरण करते-करते किसी भी समारोह में फूलों का गुलदस्ता देना अब बहुत अधिक प्रचलन में आ गया है। किसी के प्रति अपनी सद्भावना एवं आदर भाव को व्यक्त करने के लिए यह एक सर्वमान्य, सुन्दर, सुरुचिपूर्ण एवं स्वस्थ परम्परा है। अंग्रेज़ी में एक मुहावरा भी है, 'से इट विद फ्लावर्स', लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इन फूलों का जीवन बहुत अल्पावधि का होता है और दो-तीन दिन बाद ही ये सारे सुन्दर फूल कूड़े के ढेर पर फेंक दिए जाते हैं, साथ ही हज़ारों रुपये भी कूड़े के ढेर को समर्पित हो जाते हैं। फूलों के स्थान पर सब्जियां देने का प्रस्ताव भी मुझे कुछ विशेष अच्छा नहीं लगा। आजकल समाज में प्राय- परिवार बहुत छोटे-छोटे हो गए हैं। किसी समारोह में अगर दस-पंद्रह लोगों ने भी सब्जी की बास्केट उपहार में दे दी तो उपहार पाने वाले के सामने कितनी बड़ी समस्या खड़ी हो जायेगी उन्हें इस्तेमाल करने की। कोई बड़ा कलाकार हुआ तो उसे तो सब्जी की दुकान लगाने की आवश्यकता पड़ जायेगी। छोटे से परिवार में फल-फ्रूट या सब्जी की खपत ही कितनी होती है। एक तो समारोह स्थल से घर ले जाने की समस्या फिर ज़रा सोचिये उनके घर में 25-30 किलो सब्जी और फल आ जायेंगे तो वे क्या करेंगे। फूल तो मुरझाने के बाद फेंक भी दिए जाते हैं लेकिन फल और सब्जियों को तो फेंकना भी गवारा नहीं होगा न ही इतनी खाई जा सकेंगी। मोहल्ले पड़ोस में बांटने की मुसीबत और मढ़ दी जाए उस सम्मानित व्यक्ति पर। मेरे विचार से सबसे अच्छा उपहार पौधों का ही होता है। हरेभरे छायादार वृक्षों के या खूबसूरत फूलों के पौधे उपहार स्वरूप दिए जाने चाहिए ताकि पर्यावरण का भी संरक्षण हो, प्रदूषण भी घटे और हरियाली भी भरपूर हो जाए। सोचिये, ज़रा शहर में कितने सम्मान समारोह रोज़ होते हैं। सम्मानित व्यक्तियों को नीम, पीपल, बरगद, आम, अमरूद, जामुन इत्यादि के पौधे उपहार स्वरूप दिए जाएं तो शहर की तस्वीर ही बदल जायेगी। कितना पौधरोपण होगा और शहर की वायु शुद्ध हो जायेगी। निस्संदेह, पौधे उपहार स्वरूप देने से धन की भी बर्बादी नहीं होगी बल्कि उपहार देने वाले के धन का सच्चे अर्थों में सदुपयोग ही होगा। सम्मानित व्यक्ति के घर में भी अनुपयोगी उपहारों का ढेर नहीं लगेगा। धरती मां और प्रकृति भी प्रसन्न हो जायेगी। पंछियों की दुआ लगेगी और इतने फूलों को भी असमय पेड़ों से नहीं तोड़ना पड़ेगा। फूल वृक्षों पर ही शोभित होते हैं, घूरे पर नहीं।

अतीत और वर्तमान, बाधाओं से जूझती रही हिंदी

उमेश चतुर्वेदी

हिंदी की जब भी चर्चा होती है, दो तरह के भाव आते हैं। इसे लेकर पहला भाव उत्साह और गर्वबोध वाला होता है। हिंदी के क्षितिज के लगातार हो रहे विस्तार और उसके गर्वीले अतीत को लेकर हिंदीप्रेमी जहां उत्साह से भर उठते हैं, वहीं अंग्रेजी माध्यम से पढ़े गुलामी की मानसिकता वालों के चेहरे पर विद्रूप और व्यंग्यभरी मुस्कान चिपक जाती है। दक्षिण और पूर्वी भारत के कुछ इलाकों के राजनीतिक तो हिंदी से अछूत जैसा व्यवहार करने में स्वयं जहां गर्वबोध का अनुभव करते हैं, वहीं अपने समर्थकों को हिंदी को दुश्मन की तरह मानने के लिए उकसाने में भी पीछे नहीं रहते। इसके बावजूद हिंदी का प्रभाव क्षेत्र बढ़ता जा रहा है, विशेषकर आमजन की बोली-बानी के रूप में यह स्थापित होती जा रही है।

इतने सारे विरोध के बावजूद और अड़ंगे के बावजूद हिंदी अगर बढ़ती नजर आ रही है तो मानना पड़ेगा कि उसमें कुछ बात जरूर है। हिंदी के इस प्रभावी हश्र पर इकबाल की पंक्तियां याद आना स्वाभाविक है, हिंदी की राह में आजादी के पहले ज्यादा बाधाएं नहीं थीं। इसकी शायद यह बड़ी वजह रही कि भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के अगुआ महात्मा गांधी स्वयं हिंदी के हिमायती थे। उनके पहले केशव चंद्र सेन, लोकमान्य तिलक जैसी हस्तियां भी देश के हृदयों को नजदीक लाने में हिंदी की सामर्थ्य को पहचान चुके थे। इसीलिए गैर हिंदीभाषी होने के बावजूद उन्होंने स्वाधीनता आंदोलन की केंद्रीय भाषा हिंदी को बनाने की कोशिश की और भावी भारत की भाषायी जरूरतों के लिहाज से हिंदी को तैयार करने की कोशिश भी की। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, कर्नाटक हिंदी प्रचार सभा, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति जैसी संस्थाओं की स्थापना का उद्देश्य हिंदी को भावी भारत की भाषायी जरूरत के लिहाज से ना सिर्फ तैयार करना था, बल्कि भारतीय भाषाओं के बीच मजबूत सेतु के रूप में स्थापित करना भी था। हिंदी इस दिशा में आगे बढ़ती रही। कांग्रेस के दस्तावेज भले ही अंग्रेजी बनते रहे, लेकिन बहसों और उसके वार्षिक अधिवेशनों की भाषा हिंदी ही रही। 1938 में कांग्रेस का अध्यक्ष चुने जाने के बाद हिंदी के इस प्रभाव को सुभाष चंद्र बोस ने भी समझा और बाकायदा हिंदी सीखी। कांग्रेस अध्यक्ष के नाते पार्टी के वार्षिक अधिवेशन को उन्होंने हिंदी में ही संबोधित किया था, जिसकी रिकॉर्डिंग आकाशवाणी के आर्काइब में आज भी सुरक्षित है। उनकी मीठी हिंदी एक तरह से मोहती है। उसे सुन लगता है कि स्वाधीनता संग्राम में हिंदी किस तरह सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही थी। जिस हिंदी का ऐसा इतिहास रहा हो, जिसे विनोबा जैसे संघर्षशील और त्यागी-तपस्वी व्यक्ति ने अपनी भाषायी तपस्साधना का माध्यम बनाया हो, उसे स्वाधीनता के बाद तेजी से विस्तारित होना चाहिए था। वह विस्तारित तो हुई, लेकिन उस रूप में स्थापित नहीं हुई, जिस रूप में स्वाधीनता सेनानियों ने सोचा था। राजभाषा की उसे पदवी तो मिली, लेकिन वह रस्मी ही साबित हुई।

राजभाषा की भूमिका सरकारी दफ्तरों में सिर्फ हिंदी पखवाड़े या महीने में कार्यालयों में रस्मी निबंध, कहानी और कविता प्रतियोगिता आयोजित करने और किसी हिंदी विद्वान को बुलाकर उंघते और उबते कर्मचारियों के बीच भाषण कराने तक सीमित रह गई। हिंदी दिवस पाखंड बन कर रह गया। अच्छी बात यह कह सकते हैं कि इस बहाने सरकारी कार्यालयों के कुछ कर्मचारियों को कुछ नगद रकम बतौर पारितोषिक मिल जाती है, और बाकी कर्मचारियों को मिठाई और नाश्ता आदि और फिर हिंदी की पूरे वर्षभर के लिए राजभाषा के रूप में इतिश्री हो जाती है। राजभाषा के नाम पर इस रस्म को आयोजित होने की परंपरा को विकसित करने में संविधान सभा के उस विधान की बड़ी भूमिका रही, जिसके तहत हिंदी को संविधान लागू होने से पंद्रह वर्षों तक के लिए टाल दिया गया। कहा गया कि इतने दिनों में हिंदी राजकाज में स्थापित अंग्रेजी का स्थान लेने लायक हो जाएगी। लेकिन इसी बीच अंग्रेजी समर्थकों, हिंदी विरोधी कहना ज्यादा समीचीन होगा, ने हिंदी के खिलाफ षडयंत्र जारी रखा। इसके लिए उन्होंने अंग्रेजी को हिंदी की तुलना में ज्यादा गंभीर और प्रभावी रूप से स्थापित किया। इतना नहीं, इस बीच हिंदीतर दूसरी भारतीय भाषाओं के मन में हिंदी को लेकर लगातार जहर भरा जाता रहा। इसमें अंग्रेजी शिक्षा और उसके जरिए मिलने वाली सुख-सुविधाएं और बेहतर नौकरियों ने बड़ा योगदान दिया। अगर आजादी के तुरंत बाद हिंदी को लागू कर दिया जाता और हिंदी को विकसित करने के तर्क को परे सरका दिया गया होता तो आज हिंदी कुछ उसी तरह स्थापित होती, जैसे इंडोनेशिया और तुर्की में हुआ। इसे संयोग ही कहेंगे कि भारत से ठीक दो वर्ष पहले 17 अगस्त 1945 को इंडोनेशिया डच शासन से मुक्त हुआ था। तब तक इंडोनेशिया के राजकाज की भाषा डच होती थी। लेकिन आजादी मिलते ही इंडोनेशिया के शासक सुकर्णों ने तुरंत अपनी भाषा 'बहासा इंडोनेशिया' को लागू कर दिया। कुछ इसी तरह 23 अक्टूबर 1923 को जब आधुनिक तुर्की गणराज्य की स्थापना हुई, तब वहां के स्वाधीनता सेनानी और शासक कमाल अतातुर्क ने तत्काल तुर्की भाषा को राजकाज की भाषा के रूप में लागू कर दिया। अगर भारत में भी कुछ हिंदी के साथ ऐसा ही हुआ होता तो निश्चित तौर पर इतिहास और परिदृश्य दोनों अलग होते। स्वाधीन भारत से एक और गलती हुई है। वैसे इसे गलती मानें या जानबूझकर रचा गया हिंदीविरोधी षड्यंत्र कहें। स्वाधीन भारत की नौकरशाही की भाषा अंग्रेजी ही रही। या यूं कहें कि हिंदी या भारतीय भाषाओं की बजाय अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए ऐसी राह तैयार की गई कि वे ही नौकरशाही में आ सकें। भारतीय भाषाओं को संघ लोकसेवा आयोग की परीक्षाओं का माध्यम बनाने के लिए आंदोलन चला तो उसके दबाव में भारतीय भाषाएं आयोग की परीक्षाओं का माध्यम बनीं तो लेकिन परीक्षाओं और चयन प्रक्रिया का ढांचा ऐसा बना रहा कि अंग्रेजी माध्यम के छात्र ही ज्यादा चुने जाते रहे। हिंदी या भारतीय भाषाओं के माध्यम से शिक्षित इक्का-दुक्का विद्यार्थी अगर नौकरशाही में प्रवेश पाने में सफल रहे भी तो उनकी स्थिति 'नक्कारखाने में तूती की आवाज' जैसी रही। नरेंद्र मोदी के उभार और मोदी-शाह की जोड़ी के हिंदी प्रेम के चलते नौकरशाही में हिंदी के प्रति रूझान दिखा। नौकरशाही की भाषायी सोच में परिवर्तन आता दिखा भी। लेकिन अब पीछे मुड़कर देखते हैं तो लगता है कि वह नौकरशाही की रणनीतिक चाल रही। नौकरशाही ने शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व को प्रभावित करने के लिए भारतीय भाषाओं के प्रति प्रेम का संकेतभर दिया। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही रही। हिंदी और भारतीय भाषाएं राजकाज में एक बार फिर पीछे हो गई हैं। अग्रेजी अब भी नौकरशाही और राजकाज में वर्चस्व बनाए हुए है। उसके मनोभाव उसके इरादे को एक बार फिर जाहिर करने लगे हैं। वह एक बार फिर हिंदी पर अंग्रेजी को ही उपर रखने लगी है। राजकाज एक बार फिर पुरानी पटरी पर कम से कम भाषायी लिहाज से लौटने लगा है। हिंदी को लेकर ऐसा रूख नौकरशाही अगर दिखाती है तो इसकी वजह हिंदी और भारतीय भाषाओं के बीच की आपसी खींचतान के साथ ही शासन की रस्मी भाषा नीति भी है।

हिंदी की राह में यूं तो कई बाधाएं हैं, लेकिन सबसे बड़ी बाधा शासन में उसकी उपेक्षा और अंग्रेजीदां नौकरशाही का वर्चस्ववादी रवैया है। इस रवैये का नुकसान ज्यादातर जमीनी नागरिकों को ही उठाना पड़ता है। क्योंकि उनकी समस्याओं को सही मायने में समझने वाली ब्यूरोक्रेसी ही नहीं है। यह मोटा तथ्य है कि किसी व्यक्ति या इलाके की समस्याओं को वही गहराई से समझ सकता है, जो उस व्यक्ति की अपनी भाषा में सोचता हो, उस इलाका विशेष की माटी की संस्कृति से जुड़ा हो। लेकिन इसे उलटबांसी ही कहेंगे कि ज्यादातर नौकरशाही ऐसी सोच से कोसों से दूर है। इसीलिए हिंदी समेत भारतीय भाषाएं राजकाज के स्तर पर अंग्रेजी से कोसों पीछे हैं। उच्च स्तर पर प्रभाव के लिहाज से भी हिंदी का स्थान कुछ खास नहीं है। हिंदी दिवस पर क्या हम इस नजरिये से हिंदी की स्थिति को देखेंगे? वक्त आ गया है कि इस सवाल से गंभीरता से जूझा जाए।

अमेरिका में जारी हिंदूफोबिया को लेकर बाइडेन सरकार संदेह के घेरे में

चेतनादित्य आलोक

अमेरिकी सरकार अपने देश में होने वाली नस्लवादी हिंसा पर हमेशा ही परदे डालने का कार्य करती है, लेकिन ऐसी ही हिंसक गतिविधियों को लेकर दूसरे देशों, विशेषकर विकासशील, कमजोर और छोटे देशों के पीछे वह हाथ धोकर पड़ी रहती है। गौरतलब है कि इसी वर्ष जून के आखिरी सप्ताह में अमेरिका के विदेश विभाग ने वर्ष 2023 के लिए %धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट% जारी कर मोदी सरकार और बीजेपी का नाम लिए बिना ही भारत में मुस्लिम और ईसाई अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया था, जबकि सच तो यह है कि भारत में अल्पसंख्यक दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक स्वतंत्र, तीव्र जनसंख्या वृद्धि एवं आर्थिक समृद्धि वाला वर्ग (समूह) माना जाता है और अब तो यह सिद्ध भी हो चुका है। भारत में निवास करने वाले हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध, जैन, पारसी, यहूदी, वोहरा आदि तमाम समुदायों के लोग स्वतंत्रतापूर्वक रहते हुए अपने मन के मुताबिक अपनी जीविका चलाने तथा परिवार का भरण-पोषण करने का कार्य करते हैं। इतना ही नहीं, भारत में रहने वाला किसी भी जाति, समुदाय, धर्म अथवा वर्ग का कोई भी व्यक्ति दूसरे दर्जे का नागरिक नहीं समझा जाता है। भारत के पवित्र और महान संविधान ने यहां पर निवास करने वाले अन्य जातियों, समुदायों, धर्मों और वर्गों के व्यक्तियों को भी उतना ही अधिकार प्रदान किया है, जितना हिंदू समुदाय के लोगों को प्राप्त है। इतनी स्वतंत्रता... इतनी समानता... इतनी आजाद ख्याली और इतनी निर्भीकता किसी अन्य देश में अल्पसंख्यकों को प्राप्त है क्या... नहीं, लेकिन फिर भी अमेरिका भारत में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार एवं भेदभाव किए जाने का आरोप लगाता रहता है। सर्वाधिक दु:ख की बात तो यह है कि यह आरोप सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि कनाडा, जर्मनी, तुर्किए, पाकिस्तान और मालदीव जैसे देश भी अब भारत पर इस प्रकार के घिनौने आरोप लगाने की हिमाकत करने लगे हैं, जिनके देशों में खुद ही अल्पसंख्यकों का जीवन हमेशा संकटों से भरा रहता है। इस मामले में जर्मनी को यदि छोड़ भी दें तो कनाडा, तुर्किए, पाकिस्तान और मालदीव को यह अधिकार नहीं है कि वे अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव करने का आरोप भारत पर लगाएं, लेकिन ये ऐसा करने की हिम्मत इसलिए करते हैं, क्योंकि इन देशों में फिलहाल भारत और मोदी विरोधी सरकारें मौजूद हैं। इसलिए येन-केन-प्रकारेण इन्हें भारत और मोदी सरकार का विरोध करना ही है। ऐसे में नकारात्मक राजनीति करने वाले हमारे देश के कुछ विपक्षी दल और राजनेता इनका काम आसान करने का कार्य करते रहते हैं। प्रायरू प्रत्येक बात पर मोदी सरकार का विरोध करते-करते कुछ विपक्षी दल और राजनेता अक्सर मर्यादा की सीमाएं लांघ जाते हैं। अभी बहुत दिन नहीं हुए हैं, जब राहुल गांधी ने देश के भीतर भी और विदेशों में भी विपक्ष की आवाजें दबाने और देश की स्वायत्त संस्थाओं को कमजोर तथा नियंत्रित करने का आरोप मोदी सरकार पर लगाया था। बाद में तमाम विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं यथा अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, तेजस्वी यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे, कनीमोई आदि ने भी यही आरोप लगाया था। दरअसल, मोदी सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलेरेंस की नीति अपनाए जाने की वजह से देश भर से अनेक विपक्षी नेताओं

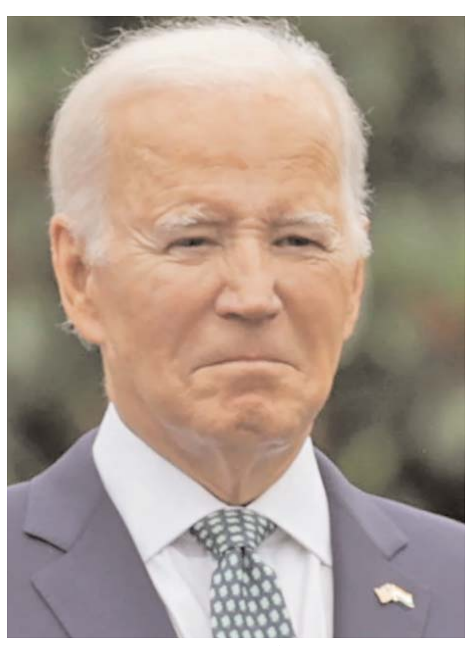

के भ्रष्टाचार उजागर होने और फिर ईडी तथा सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के हत्थे चढ़े इन नेताओं के जेल जाने के मामले को विपक्ष ने मोदी सरकार की दमनकारी नीति करार देकर इसे देश के भीतर और बाहर मुद्दा बनाने का कार्य किया। इतना ही नहीं, मुस्लिमों के विरूद्ध भाजपा मुख्यमंत्रियों और नेताओं द्वारा दिए गए राजनीतिक बयानों और किसी मुस्लिम नागरिक के विरूद्ध घटित सही या गलत कुछेक घटनाओं को लेकर सरकार और भाजपा को मुस्लिम विरोधी बताते हुए मीडिया में मनगढ़ंत इस्लामोफोबिक एजेंडा चलाने का भी कार्य किया गया। देखा जाए तो सरकार और प्रधानमंत्री मोदी के विरूद्ध विपक्ष के द्वारा चलाए जाने वाले ऐसे नकारात्मक नैरेटिव को ही अमेरिका, जर्मनी, कनाडा, तुर्किए, पाकिस्तान और मालदीव जैसे देश आगे बढ़ाने का कार्य करते रहते हैं, ताकि दुनिया भर में भारत विरोधी एजेंडा चलाकर मोदी सरकार को बदनाम और कमजोर किया जा सके। यह एक घातक अंतरराष्ट्रीय साजिश प्रतीत होती है, जिसे देश की विपक्षी पार्टियां जाने-अनजाने मजबूती प्रदान करने का कार्य करती रही हैं। जबकि वास्तव में 2014 से ही %सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास% के सिद्धांत पर चलती हुई मोदी सरकार बिना भेदभाव के सभी जातियों, वर्गों, समुदायों एवं धर्मों के लोगों का विकास करने में जुटी हुई है। दूसरी ओर स्वयं अमेरिका समेत इन देशों में ही निर्दोष एवं मासूम अल्पसंख्यकों और विदेशी नागरिकों के साथ जिस प्रकार के व्यवहार किए जाते हैं, वे इन्हें असभ्य, नस्लवादी, रूढ़ एवं असहिष्णु समाजों की सूची में शामिल किए जाने के लिए पर्याप्त प्रतीत होते हैं।

इस वर्ष जनवरी से मार्च तक में ही अमेरिका में लगभग डेढ़ दर्जन भारतीय विद्यार्थियों की हत्या कर दी गई अथवा संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई थी। यही नहीं, अमेरिका के विभिन्न भागों में स्थित हिंदू मंदिरों पर भी हमले काफी बढ़ गए हैं। गौरतलब है कि न्यूयॉर्क से लेकर कैलिफोर्निया तक अब तक अमेरिका में हिंदुओं एवं हिंदू मंदिरों पर कई हमले किए जा चुके हैं। इन हमलों से भारतीय-अमेरिकी समुदाय बेहद चिंतित, भयभीत और नाराज भी है। इसी वर्ष अप्रैल के आरंभिक सप्ताह में पांच भारतीय-अमेरिकी सांसदों प्रमिला जयपाल, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार और ऐमी बेरा ने डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस को पत्र लिखकर मंदिरों पर हमलों को लेकर रिपोर्ट मांगी थी और साथ ही यह भी कहा था कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लोग अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर होने वाले हमलों में हुई वृद्धि को लेकर डरे हुए हैं।

अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी हिंदुओं और उनके धार्मिक मंदिरों पर लगातार होते हमलों को लेकर इसी वर्ष अप्रैल के शुरूआत में अमेरिकी थिंक टैंक हडसन इंस्टीट्यूट ने अपनी एक रिपोर्ट %पाकिस्तान डिस्टेबलाइज प्लेबुक-खालिस्तान सेपरेटिस्ट एक्टिवज्मि विदिन अमेरिका% में कहा था कि अमेरिका में कई गुरुद्वारे अब चरमपंथ, उग्रवाद और हिंसा की जन्म-स्थली बन गए हैं। हडसन इंस्टीट्यूट के अनुसार खालिस्तान समर्थक चरमपंथी संगठन पूरी दुनिया के लिए खतरा हैं और भारत कई बार खालिस्तान समर्थकों पर कार्रवाई की मांग कर चुका है। इसलिए खालिस्तान से जुड़े संगठनों और उनके समर्थकों की सभी गतिविधियों की जांच होनी चाहिए। इसी वर्ष 28 जून को उत्तरी अमेरिकी हिंदुओं के गठबंधन %सीओएचएनए% द्वारा आयोजित %राष्ट्रीय हिंदू समर्थन दिवस% में हिंदू समुदाय के नेताओं, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उपस्थित मिंं प्रमुख अमेरिकी सांसदों ने अमेरिका में जारी हिंदूफोबिया के विरूद्ध भारतीय-अमेरिकी हिंदुओं के प्रति अपना समर्थन जताया था। बहरहाल, भारतीय-अमेरिकी हिंदू नागरिकों पर जब-तब होते रहने वाले नस्ली हमलों में लगातार होती वृद्धि चौंकाती भी है और भयभीत भी करती है, क्योंकि ये आंकड़े अमेरिका में %हिंदूफोबिया% के नए संस्करण के फैलाव के सबूत हैं।

भिलाई-रायपुर हाईवे पर मस्जिद के नाम पर अवैध कब्जा, 40 फीट ऊंचा गेट, कई मकान जमींदोज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के भिलाई में नगर निगम की टीम ने सोमवार को मस्जिद के नाम से किए गए अवैध कब्जे को तोड़ दिया। टीम ने एक मजार, दुकानें, वैवाहिक भवन, 40 फीट ऊंचे गेट सहित आसपास के कब्जा जमींदोज कर दिया है। इसमें मछली पालन और दुकान से लगे कई लोगों के घर भी टूटे हैं।

निगम का अमला सुबह करीब 5 बजे एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार, 100 से ज्यादा जवान और कई थानों की फोर्स के साथ पहुंचा था। प्रशासन की टीम ने मस्जिद और एक मजार को छोड़कर सारे अतिक्रमण तोड़ दिया है। कब्जा खाली कराने का आदेश हाईकोर्ट ने दिया था। फिलहाल मलबा हटाने का काम चल रहा है।

मौलवी का कमरा और रहने की जगह छोड़ी: मस्जिद परिसर के अंदर एक मौलवी के लिए कमरा और एक जगह कुछ लोगों को रहने के लिए छोड़ी गई है। लोगों का आरोप है कि उन्हें निगम ने कोई नोटिस नहीं दिया और अचानक ही उनका मकान तोड़ दिया गया। इसको लेकर निगम और लोगों के बीच में काफी देर तक बहस भी हुई।

निगम अफसरों ने कहा कि जो भी गैर धार्मिक कब्जा है, सब तोड़ा जाएगा। इससे पहले इन्हें नोटिस दिया गया था, लेकिन इन्होंने नहीं हटाया, इसलिए कार्रवाई की जा रही है। वहीं करबला कमेटी ने इसका विरोध किया है और कब्जे को सही बताया है।

मां ने मोबाइल नहीं दिलाया, बेटी ने दी जान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर में मोबाइल फोन नहीं मिलने पर 15 साल की लड़की ने खुदकुशी कर ली। उसका शव सोमवार सुबह पेड़ से फांसी पर लटकता हुआ मिला है। लड़की कई दिनों से अपनी मां से मोबाइल दिलाने की मांग कर रही थी। मामला पत्थलगांव थाना क्षेत्र का है। महीने भर में 3 बच्चे मोबाइल के लिए खुदकुशी कर चुके हैं।

जानकारी के मुताबिक, कछार बरपारा निवासी इलूश कुजूर अपने परिवार के साथ रहता है। उसकी बेटी आशा कुजूर (15) ने 8वीं क्लास के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। वह कई दिनों से अपनी मां से मोबाइल फोन की डिमांड कर रही थी। लेकिन मां हर बार घर की समस्या बताकर टाल जाती।

आशा ने रविवार को फिर अपने लिए नया मोबाइल लाने को कहा। इस पर मां ने कहा कि, अभी खेती किसानी में पैसा खत्म हो गया है। जब धान की फसल बेचेंगे, तब नया मोबाइल खरीद दूंगी। लेकिन आशा अपनी जिद पर अड़ी रही। बताया जा रहा है कि मां की बात से नाराज होकर आशा रविवार को घर से निकल गई।

जब सुबह परिजन सोकर उठे तो बेटी उन्हें कहीं नजर नहीं आई। उसे उधर-इधर ढूंढते घर के पास ही एक पेड़ पर चुनरी से उसका शव लटक रहा था। शोरगुल सुनकर आसपास के लोग भी पहुंच गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतरवाया।

पत्थलगांव एसडीओपी ध्रुवेश जायसवाल ने बताया कि नाबालिग के फांसी लगाने की वजह परिजनों ने नया मोबाइल नहीं दिला पाना बताया है। फिलहाल मामले में आगे की जांच की जा रही है। बच्ची के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

मोबाइल के लिए एक माह में 3 बच्चों ने दी जान: छत्तीसगढ़ में मोबाइल की जिद पूरी नहीं होने पर पिछले एक माह में 3 बच्चे अपनी जान दे चुके हैं। तीनों ही मामलों में बच्चे अपने पैरेंट्स से मोबाइल और उसमें गेम खेलने की डिमांड करते थे। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों की मोबाइल की लत उनके मानसिक और शारीरिक विकास में बाधा बनती जा रही है।

जांजगीर-चांपा में झोलाछाप डॉक्टर ने ली गर्भवती की जान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में गर्भवती महिला की गलत इंजेक्शन लगाने से मौत हुई थी। पुलिस ने आरोपी झोलाछाप डॉक्टर ध्रुवंतो सिकदार को गिरफ्तार किया है। घटना नवागढ़ थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी अनुसार नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम हीरागढ (टुरी) की रुखमणी कश्यप 4 माह की गर्भवती थी। कुछ दिनों से उसके हाथ-पैर में दर्द की शिकायत थी। इस बीच 1 सितंबर 2024 की रात लगभग 9 से 10 बजे पैर में तेज दर्द होने लगा।

परिजनों ने सिऊड गांव के डॉक्टर ध्रुवंतो सिकदार को बुलाया था। डॉक्टर ने जांच के बाद इंजेक्शन लगाया, जिससे महिला की तबीयत बिगड़ने लगी। तेज बुखार के साथ खांसी और नाक-मुंह से खून निकलने लगा।

परिजन महिला को इलाज के लिए नवागढ़ सीएससी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर नवागढ़ थाने में मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में गर्भवती महिला की गलत इंजेक्शन लगाने के कारण मौत होने की जानकारी दी गई। नवागढ़ थाने में धारा 105 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपी डॉक्टर ध्रुवंतो सिकदार को गिरफ्तार किया गया। आरोपी डॉक्टर को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। आरोपी के कब्जे से फर्जी दस्तावेज भी बरामद किया गया है।

सुकमा-कोंडागांव से ओडिशा रूट बंद, कई मकान ढहे

रायपुर-बिलासपुर-बस्तर संभाग में बारिश का अलर्ट; सुकमा, नारायणपुर और दंतेवाड़ा में स्कूलों में छुट्टी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर और बस्तर संभाग में आज (सोमवार को) भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने 6 जिलों के लिए ऑरेंज और 14 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ के एक-दो स्थानों पर अति भारी बारिश हो सकती है। लगातार हो रही बारिश के चलते आज सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई थी।

सुकमा और कोंडागांव में मूसलाधार बारिश के चलते ओडिशा रूट बंद हो गया है। सुकमा में कई मकान ढह गए हैं। प्रदेश में रविवार को भी मानसून सक्रिय रहा। बलौदाबाजार में बिजली गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई। जबकि 3 लोग झुलस गए। वहीं रायपुर में भाई-बहन और कांकेर में 19 मवेशियों की मौत हुई है।

स्कूल-हॉस्टल की समस्याएं लेकर सड़क पर बैठी छात्राओं को तहसीलदार ने धमकाया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पचपेड़ी हायर सेकेंडरी स्कूल और हॉस्टल की समस्याओं को लेकर छात्राओं ने सोमवार को मस्तूरी-पचपेड़ी मार्ग पर चक्काजाम कर दिया।

इस दौरान समझाइश देने पहुंचीं तहसीलदार माया अंचल लहरे ने छात्राओं को धमकी दे दी कि- एक बार लिखकर दूंगी तो सभी जेल चली जाओगी।

दरअसल छात्राएं ने शिक्षक और मैडम पर मनमानी का आरोप लगाते हुए सड़क पर बैठी थीं। महज आधे घंटे के विरोध प्रदर्शन के बाद चक्काजाम खत्म हो गया।

चक्काजाम से वाहनों की लग गई कतार: छात्राएं नारेबाजी करती हुईं सड़क पर बैठ गई। जिसके बाद मस्तूरी-पचपेड़ी मार्ग पर वाहनों की कतार लग गई। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को समझाइश देने का प्रयास किया। लेकिन वो अव्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग पर अड़ी रहीं।

हॉस्टल में साफ-सफाई, खाने की समस्या: छात्राओं ने बताया कि, हॉस्टल में साफ-सफाई और खाने की समस्या है। जिसे दूर करने की बात करने पर मैडम मनमानी करती हैं। स्कूल में पढ़ाई ठीक से नहीं हो रही है। शिक्षकों के आने-जाने का कोई समय तय नहीं है। जिससे उनका भविष्य खराब हो रहा है। हॉस्टल में शासन से मिलने वाली सुविधाओं पर भी मैडम ध्यान नहीं देती हैं।

पहले समस्याएं सुनीं, फिर धमकी: छात्राओं के चक्काजाम करने की जानकारी मिलते ही तहसीलदार माया अंचल लहरे मौके पर पहुंची। उन्होंने पहले छात्राओं की समस्याएं सुनी, फिर उन्हें चक्काजाम खत्म करने को लेकर समझाइश देने लगीं। लेकिन, छात्राएं उनके सामने जमकर नारेबाजी करने लगी, जिससे वो नाराज हो गईं और छात्राओं को जेल भेजने की धमकी देने लगी।

तहसीलदार बोलीं- लिखकर दूंगी तो जेल चली जाओगी..

रायपुर में कार के अंदर मिली महिला की लाश

गैरेज के बाहर डंप खड़ी थी कार, शरीर पर चोट के निशान नहीं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में कार के अंदर एक महिला की लाश मिली है। यह कार गैरेज के बाहर लंबे समय से डंप खड़ी है। आसपास से गुजर रहे लोगों की महिला पर नजर पड़ी, तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। महिला के शरीर पर कोई भी चोट के निशान नहीं मिले है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेकाहारा भेज दिया है।

कोतवाली पुलिस के मुताबिक, महिला की पहचान नहीं हो पाई है। उसकी उम्र करीब 40 साल है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला की महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त थी। वह अक्सर आसपास के इलाके में घूमते रहती थी।

संभावना है कि, तेज बारिश से बचने के लिए वह पुजारी पार्क के पास भक्कू गैरेज में खड़ी डंप कार के भीतर गई होगी। जहां दम घुटने से उसकी मौत हो गई होगी। पुलिस को महिला के शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले है। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की असल वजह सामने आ पाएगी।

रायपुर के ट्रेनिंग सेंटर में 'हमर पारा-तुंहर पारा' पर जुम्बा, ताकि फिट रहे शरीर

छत्तीसगढ़ी सॉन्ग पर 700 पुलिसकर्मियों ने किया डांस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ पुलिस के करीब 700 जवानों ने छत्तीसगढ़ी गाने 'हमार पारा तुंहर पारा' गाने पर डांस किया। इस दौरान बाकायदा पुलिसकर्मियों को डांस के स्टेप्स भी बताए जा रहे हैं। जवानों के डांस मूव्स भी शानदार हैं। फिलहाल पुलिसकर्मियों के डांस का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

दरअसल, प्रदेश के अलग-अलग जिलों से जवान ट्रेनिंग लेने के लिए रायपुर पहुंचे हैं। यहां उनको माना स्थित पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ट्रेनिंग में स्ढ से लेकर कॉन्स्टेबल तक शामिल हैं। खुद को फिट रखने के लिए जवान जुम्बा (एरोबिक एक्सरसाइज) कर रहे हैं।

वीडियो में दिख रहा है कि, एक्सपर्ट ट्रेनर स्टेज में खड़े होकर डांस कर रहे। नीचे खड़े जवान उनके स्टेप्स को फॉलो कर रहे हैं। इस जुंबा डांस ट्रेनिंग में सैकड़ों की संख्या में महिला जवान भी नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि यह पुलिसकर्मियों को फिट बनाने और तनाव दूर करने के लिए शुरू किया गया डांस अब उनकी ट्रेनिंग का हिस्सा बन चुका है।

जुम्बा एक तरह की एरोबिक एक्सरसाइज है, जो लेटिन डांस से प्रेरित है। तेज म्यूजिक के साथ डांस करते हुए एक्सरसाइज किया जाता है। यह आपको एनर्जेटिक रखता है और चर्बी घटाता है। एक रिसर्च के मुताबिक, हफ्ते में 3 से 4 दिन जुम्बा करते हैं, तो बॉडी फ्लेक्सिबल बनती हैं। ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और खुद को तरोताजा महसूस करते हैं।

खुद को फिट रखने के साथ वजन तेजी से घटाना चाहते हैं, तो जुम्बा डांस बेहतर विकल्प है। म्यूजिक के साथ थिरकते कदमों से वजन घटाने का यह तरीका कभी बोरिंग नहीं लगता है। स्पोर्ट्स साइंस एंड मेडिसिन जर्नल में पब्लिश एक रिसर्च बताती है कि, 40 मिनट तक जुम्बा करते हैं तो 369 कैलोरी बर्न कर सकते हैं। यह फायदा 40 मिनट में की जाने वाली किक बॉक्सिंग और पावर योग के बराबर है। हफ्ते में कम से कम 3 दिन जुम्बा करना चाहिए। 300 से 400 कैलोरी बर्न करने का लक्ष्य रखें। देश के सभी बड़े शहरों के जिम में जुम्बा कराया जाता है। इसे जॉइन कर सकते हैं। इसके लिए कई इक्विपमेंट की जरूरत नहीं होती। जुम्बा करते हैं तो डाइट में अंडे, चिकन और फिश लें। ये प्रोटीन की कमी पूरी करेगी। खाने में सब्जियां और फल शामिल करें। भूख लगने पर सेब और ड्राई फ्रूट्स ले सकते हैं। इसके अलावा नाश्ते में किनुआ, ब्राउन राइस और ओट्स खाना बेहतर विकल्प है।

दुनिया में इस फिटनेस प्रोग्राम को लाने का श्रेय कोरियाग्राफर और फिटनेस इंस्ट्रक्टर अल्बर्टो बीटो पेरेज को जाता है। इसकी शुरुआत 90 के दशक में हुई। जुम्बा की शुरुआत से जुड़ा एक किस्सा भी है। अल्बर्टो एक दिन एरोबिक क्लासेस लेने के लिए जा रहे थे, फिर उन्हें अहसास हुआ कि वो आज म्यूजिक सुनना भूल गए हैं। वापस जाकर म्यूजिक सुनना संभव नहीं था। इसलिए जब वो एरोबिक्स सिखाने के लिए क्लास में पहुंचे तो उन्होंने म्यूजिक के साथ एरोबिक वर्कआउट को मिक्स किया। उन्होंने देखा कि स्टूडेंट इस वर्कआउट को काफी एंजॉय कर रहे हैं।

रायपुर में बहू ने सास को गर्म तवे से मारा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में बहू ने अपनी सास पर गरम तवे से वार कर दिया। जिससे महिला जलकर घायल हो गई। सास के देरी से खाना बनाने को लेकर विवाद शुरू हुआ। सास का आरोप है कि बहू उसे ताने मारती है। गाली-गलौज करती है। मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है। मंजू मिश्रा ने शिकायत में बताया कि, वो अवंती विहार इलाके में रहती है। जून 2024 से अपने बेटे विकास कुमार मिश्रा के साथ रह रही है। बहू सपना मिश्रा को यह बात पसंद नहीं है। वह छोटी-छोटी घरेलू बातों को लेकर विवाद करती रहती है। 5 सितंबर को सुबह 11.30 के करीब मंजू मिश्रा किचन पर खाना बना रही थी।

बहू से गरम तवा से जलाया: इस दौरान पीछे से उनकी बहू आ गई। उसने अपनी सास को खाना देरी से बनाने को लेकर विवाद शुरू कर दिया। वह अश्लील गाली गलौज करने लगी। जब सास ने खुद को छुड़ाने का प्रयास किया। तो बहू ने सास का गला पकड़कर गरम तवे पर मार दिया। जिससे सास की कलाई में जल गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भारत में मंकीपॉक्स का पहला केस मिला

नई दिल्ली। देश में मंकीपॉक्स का पहला मरीज मिला है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार (9 सितंबर) को इसकी पुष्टि की है। मंत्रालय ने बताया कि विदेश से लौटे एक व्यक्ति को 8 सितंबर को मंकीपॉक्स के संदेह में आइसोलेशन में रखा गया था। सैंपल लेकर जांच कराई गई, जिसमें मंकीपॉक्स के स्ट्रेन वेस्ट अफ्रीकन क्लेड 2 की पुष्टि हुई है। लेकिन ये स्ट्रेन डब्ल्यूएचओ की ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी में शामिल स्ट्रेन क्लेड1 नहीं है। 2022 में क्लेड 2 के 30 केस मिले थे। आज ही केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने मंकीपॉक्स को लेकर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी की। चंद्रा ने कहा- मंकीपॉक्स के खतरे को रोकने के लिए सभी राज्यों को हेल्थ एक्शन लेना चाहिए। राज्यों को मंकीपॉक्स पर स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का पालन करना चाहिए। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के मंकीपॉक्स पर जारी सीडी-अलर्ट (कम्यूनिकेबल डिजीज अलर्ट) पर एक्शन लेना चाहिए। इसके अलावा राज्यों को अपनी स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारियों की समीक्षा करनी चाहिए। सीनियर अधिकारियों को जिलों की स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेना चाहिए।

विनेश फोगाट के फैसले से ताऊ महावीर नाराज

रेवाड़ी। हरियाणा की पहलवान विनेश फोगाट के ताऊ द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित महावीर फोगाट उनके राजनीति में उतरने के फैसले से नाराज हैं। महावीर का कहना है कि विनेश ने राजनीति में जाने का फैसला जल्दबाजी में लिया है। वह नेता तो बन जाएगी, लेकिन ओलिंपिक मेडलिस्ट नहीं कहलाएगी। वहीं, पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा है- विनेश फोगाट हरियाणा की मुख्यमंत्री बन जाए। मैं तो कहता हूं कि विनेश को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाकर चुनाव लड़ाना चाहिए। इतनी दबंग लेडी है, जो ट्रायल नहीं होने देती, हारी हुई कुश्ती को जीत लेती है। विनेश फोगाट ने ओलिंपिक में कुश्ती के फाइनल से डिस्क्वालिफाई होने के बाद कुश्ती से संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बाद बीते शुक्रवार को उन्होंने कांग्रेस पार्टी जॉइन कर ली। महावीर कहते हैं कि विनेश को 2028 के ओलिंपिक का इंतजार करना चाहिए था। इस बार वह यकीनन विजेता बनती। महावीर फोगाट कहते हैं, %राजनेता को लोग 5 साल में भूल जाते हैं। एक ओलिंपिक पदक विजेता को हमेशा याद रखा जाता है। अगर उसे राजनीति करनी भी थी तो वह 2028 का ओलिंपिक खेलने के बाद भी कर सकती थी। अभी उसकी उम्र सिर्फ 30 साल है। उसने देश वासियों के सपने को पूरा नहीं किया। इससे पहले बीते रविवार को रेसलर विनेश फोगाट ने पहली बार पेरिस ओलिंपिक में 100 ग्राम बढ़े वजन से मेडल से चूकने के बारे में बात की। विनेश ने दावा किया कि मेडल को लेकर उनके पास कानूनी विकल्प था। यह उन्हें भारतीय डेलिगेशन नहीं, बल्कि एक दोस्त ने बताया था। विनेश ने यह भी कहा कि भाजपा वालों ने ओलिंपिक मेडल को मेरा मेडल समझा। मेरी कोई मदद नहीं की गई।

मुख्यमंत्री ने 215 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बुंदेलखण्ड, पंजाब और हरियाणा को विकास में पीछे छोड़ेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पराक्रम और शौर्य की धरती बुंदेलखंड के लिए विकास का बहुत बड़ा निर्णय लेकर केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की सौगात दी है। बुंदेलखण्ड में आईटी पार्क बनाया जाएगा। विकास का कारवां अब बुंदेलखण्ड और मध्यप्रदेश की धरती से होकर गुजरेगा। मध्यप्रदेश में नए जिलों और संभागों के गठन के लिए म.प्र. प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग प्राप्त कर प्रतिवेदन देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 22 हजार से अधिक थानों की सीमा बदलने का कार्य किया गया। आमजन की सुविधा के लिए बीना सहित अन्य नए जिले और संभाग बनाने की दिशा में कार्यवाही परिसीमन आयोग की अनुशंसा अनुसार की जाएगी। सागर में इसी माह रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में देश भर के उद्योगपति आएंगे। प्रदेश में सभी क्षेत्रों में विकास के कार्य किये जा रहे है। कार्यक्रम में मंत्रीगण, सांसद, विधायक और अन्य जन प्रतिनिधियों के साथ आम नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज सागर जिले के बीना में लाड़ली बहना योजना की हितग्राही बहनों के खाते में 1574 करोड़ रुपए, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों को 332. 43 करोड़ रुपए की राशि के अंतरण एवं विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का मंत्री श्री गोविन्द सिंह, पूर्व मंत्री श्री गोपाल भार्गव, सांसद श्रीमती लता वानखेड़े एवं बीना

विधायक श्रीमती निर्मला सप्रे ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीना में आम जनता की सुविधा के लिए एडीएम और एडीशनल एस.पी अपने कार्यालयों में रहेंगे। निकट स्थित प्राचीन नगर एरण में संस्कृति विभाग की ओर से एरण उत्सव का आयोजन किया जाएगा। लघु एवं वृहद उद्योगों के माध्यम से इस अंचल के युवाओं को लाभान्वित किया जाएगा। नए उद्योग शुरू होने से लोगों को रोजगार मिलेंगे और पलायन जैसी स्थितियां नहीं बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नया आईटीआई प्रारंभ करने सहित अनेक नए कार्यों के लिए घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन-बेतवा परियोजना के साथ ही बीना परियोजना इस क्षेत्र का नक्शा बदल देगी। समृद्धि का लाभ नागरिकों को मिलेगा। बीना सिंचाई परियोजना से 262 जुड़ेंगे। क्षेत्र में अनेक नई सड़कें भी बनाई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समय बदला है। हमारा मध्यप्रदेश पीछे नहीं रहेगा। हमारा प्रदेश देश का नम्बर वन राज्य बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल ही में इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन मंजूर की गई है, इससे मध्यप्रदेश के निमाड़ और मालवा अंचल ही नहीं बल्कि चंबल क्षेत्र और अन्य इलाकों से बंदरगाहों तक सीधे माल पहुंचाने का नेटवर्क बनेगा। नई रेल लाइन और औद्योगिक विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों से मध्यप्रदेश में विकास के नए दरवाजे खुलेंगे। प्रत्येक संभाग में उद्योगों का विकास किया जा रहा है। युवाओं की क्षमता का उपयोग प्रदेश के हित में होगा। सागर में भी इसी माह रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हो रही है। सागर, इंदौर और भोपाल से विकास में पीछे नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य सरकार के जनकल्याण के महत्वपूर्ण कदमों की चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश में गंभीर रोगियों को विमान से बड़े नगरों में उपचार के लिए भेजने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ मध्यप्रदेश सरकार एयर कार्गो लाने जैसे बड़े कदम उठा रही है। इससे दुनिया भर में व्यापार-व्यवसाय किया जा सकेगा। गौ-वंश की सुरक्षा और सम्मान के लिए गौ-शालाएं बनाने और दस गाय से अधिक पालने पर एवं दुग्ध उत्पादन पर बोनस राशि देने का संकल्पित है सरकार। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहना योजना कभी बंद नहीं होगी। सरकार का यह प्रयास है कि आने वाले समय में बहनें प्रतिमाह दो हजार रुपए से लेकर पांच हजार रुपए तक की आय अर्जित करें। बहनों को स्व-रोजगार और लघु व्यवसाय के लिए आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बीना में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

मणिपुर राजभवन पर पथराव, 20 घायल

इंफाल। मणिपुर की राजधानी इंफाल में सोमवार को सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स ने राजभवन पर पत्थरबाजी की। इस दौरान सुरक्षाकर्मी भागते दिखे। पुलिस और सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड लगाकर रोका। कई राउंड आंसू गैस के गोले और रबर बुलेट दागे। इसमें 20 स्टूडेंट्स घायल हो गए। मैतेई समुदाय के ये छात्र मणिपुर में अचानक बढ़ी हिंसक घटनाओं को लेकर 8 सितंबर से प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें स्थानीय लोग भी शामिल हैं। रविवार को किशमपट के टिडिम रोड पर 3 किलोमीटर तक मार्च के बाद प्रदर्शनकारी राजभवन और सीएम हाउस तक पहुंच गए। ये

गवर्नर और सीएम को ज्ञापन सौंपना चाहते थे। सोमवार को सुरक्षाबलों ने ज्ञापन सौंपने की मांग पूरी कर दी, इसके बाद भी स्टूडेंट्स सड़क पर प्रदर्शन करते रहे। स्टूडेंट्स का कहना है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती तब तक वे यहां डटे रहेंगे। इस दौरान उनकी सुरक्षाबलों के साथ झड़प भी हुई। स्टूडेंट्स 1 और 3 अगस्त को मैतेई इलाकों में हुए ड्रोन हमलों का विरोध कर रहे हैं।

ममता बोलीं- विक्टिम के पेरेंट्स को पैसे ऑफर नहीं किए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि हमने मृतक ट्रेनी डॉक्टर के माता-पिता को कभी पैसा ऑफर नहीं किया। हमने सिर्फ उन्हें ये कहा था कि अगर वे अपनी बेटी की याद में कुछ करवाना चाहते हैं, तो हमारी सरकार उनके साथ है। स्टेट सेक्रेटिएट नबन्ना में रिव्यू मीटिंग के दौरान ममता ने यह भी कहा कि विरोध प्रदर्शनों के चलते कोलकाता के कमिश्नर विनीत गोयल ने इस्तीफा देने की पेशकश की थी, लेकिन हमें कोई चाहिए जो दुर्गा पूजा को लेकर कानून-व्यवस्था संभालना जानता हो। दरअसल, रेप विक्टिम ट्रेनी डॉक्टर के माता-पिता ने कोलकाता पुलिस पर आरोप लगाया था कि उन्होंने बेटी का शव सौंपते वक्त उन्हें पैसा ऑफर किया था और कहा था कि हमने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी है। वहीं, प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने पुलिस पर सबूतों से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए पुलिस कमिश्नर के इस्तीफे की मांग की थी। पुलिस शुरुआत से ही इस केस को दबाने की कोशिश कर रही है। डेडबॉडी को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने तक हमें पुलिस स्टेशन में इंतजार करना पड़ा। बाद में, जब बेटी का शव हमें सौंपा गया तो एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने हमें पैसे देने की पेशकश की। जब तक अंतिम संस्कार नहीं हुआ, 300-400 पुलिस वालों ने हमें घेर रखा था, लेकिन अंतिम संस्कार हो जाने के बाद वहां एक भी पुलिस वाला नहीं दिखा।

हरियाणा में आप कांग्रेस का गठबंधन नहीं हुआ

हरियाणा। हरियाणा में आम आदमी पार्टी अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने सोमवार को दोपहर बाद 20 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। आप की इस लिस्ट से साफ है कि अब वह इस चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन नहीं करेगी। इससे पहले,क्र के हरियाणा अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने भी कहा था कि अगर आज बात नहीं बनी तो पार्टी सभी 90 सीटों पर उम्मीदवार उतार देगी। कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन न होने की बड़ी वजह सीट शेयरिंग है। आप कांग्रेस से 10 सीटें मांग रही थी। यह सीटें पंजाब और दिल्ली के बॉर्डर से सटे जिलों में थी। आप का तर्क था कि दोनों जगह उनकी सरकार है, इसलिए उन्हें फायदा होगा। इसके उलट कांग्रेस सिर्फ 5 सीट देने पर अड़ी रही। कांग्रेस ने आप की दिल्ली-पंजाब बार्डर इलाकों की सीटों की मांग भी ठुकरा दी और शहरी क्षेत्रों में लड़ने के लिए कहा।

एलओसी पर घुसपैठ कर रहे 2 आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में लाइन ऑफ कंट्रोल पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकवादियों को सेना ने मार गिराया। टेररिस्ट रविवार (8 सितंबर) की देर रात सीमा पार करने की कोशिश कर रहे थे। व्हाइट नाइट कॉर्प्स के मुताबिक सेना की तलाशी अभियान में एक और एलओसी राइफल बरामद हुआ है। सर्च ऑपरेशन में अब तक 2 एके-47, 1 एम-4 राइफल, 1 पिस्तौल, 8 ग्रेनेड, गोला-बारूद, समेत की सामान बरामद किया जा चुका है। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि सर्चिंग कर रहे जवानों को एलओसी पर हलचल दिखाई दी। आतंकवादियों का एक ग्रुप एलओसी पार करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान जवानों से उनका एनकाउंटर हुआ। इस एनकाउंटर के तुरंत बाद सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया, जो अभी जारी है। जम्मू में 9 जून से 11 जून के बीच आतंकवादियों ने 3 बड़े हमले किए। इसमें एक हवलदार शहीद हो गया। पहला हमला 9 जून को रियासी में हुआ। इस दिन मोदी सरकार का शपथ ग्रहण था। आतंकियों ने रियासी में कंदा इलाके में कटरा जा रही बस पर 25-30 राउंड फायरिंग की। बस खाई में गिरी। 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। सर्च ऑपरेशन के बाद 12 जून को एक आतंकवादी मारा गया। 11 जून को कठुआ में पाकिस्तान बॉर्डर से लगे हीरानगर के सैदा सोहल गांव में दो आतंकियों ने घरों का दरवाजा खटखटाकर पानी मांगा। ग्रामीणों को शक हुआ तो दरवाजे बंद कर शोर मचाया। आतंकियों ने फायरिंग की। एक ग्रामीण घायल हुआ।

एयरफोर्स-नेवी और आर्मी के वाइस चीफ ने उड़ाया तेजस

जोधपुर। भारतीय वायु सेना के सबसे बड़े अभ्यास तरंग-शक्ति के 11वें दिन (सोमवार को) देश की तीनों सेनाओं (जल-थल-वायु) के वाइस चीफ ने तेजस में उड़ान भरी। उन्होंने तेजस की खूबियां परखी, साथ ही इसे चलाने की बारीकियों को समझा। तीनों वाइस चीफ ने करीब 45 मिनट तक आसमान में गरजते तेजस में उड़ान भरी। उड़ान के बाद आर्मी के वाइस चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बताया- तेजस से हमारा देश आत्मनिर्भर हुआ है। मेरा मानना है कि दुनिया के किसी भी एयरक्राफ्ट से तेजस कम नहीं है। इसकी हैंडलिंग कैपेबिलिटी शानदार है। सोमवार को हुई प्रैक्टिस में एयरफोर्स के वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह, नेवी के वाइस चीफ कृष्णा स्वामीनाथन और आर्मी के वाइस चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि जोधपुर एयरबेस पहुंचे।

अमेरिका में राहुल बोले- सब कुछ मेड इन चाइना

टेक्सास। राहुल गांधी विपक्ष के नेता के तौर पर पहली बार विदेश दौरे पर हैं। वे रविवार को अमेरिका के टेक्सास राज्य पहुंचे। यहां उन्होंने 2 कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। पहले उन्होंने डलास में भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। इसके बाद राहुल गांधी ने सोमवार को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के छात्रों से भारतीय राजनीति, इकोनॉमी और भारत जोड़ो यात्रा समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। राहुल ने कहा, भारत में सब मेड इन चाइना है। चीन ने प्रोडक्शन पर ध्यान दिया है इसलिए चीन में रोजगार की दिक्कतें नहीं हैं। कार्यक्रम में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा, राहुल गांधी पप्पू नहीं है, वे पढ़े-लिखे हैं और किसी भी मुद्दे पर गहरी सोच रखने वाले स्ट्रेटजिस्ट हैं। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के तौर पर जिम्मेदारी, भारत के आर्थिक हालात, रोजगार समेत 6 मुद्दों पर अपनी राय रखी। जानिए उन्होंने क्या कहा... विपक्ष में अपने रोल पर...मेरा काम राजनीति में प्रेम लाना मेरा रोल संसद में सरकार के खिलाफ बोलना और उन्हें तानाशाह बनने से रोकने तक सीमित नहीं है। मुझे लगता है कि मेरा रोल भारत की राजनीति में प्यार, सम्मान और विनम्रता लाना

है। प्यार और सम्मान सिर्फ ताकतवर लोगों के लिए नहीं, बल्कि उन सबके लिए जो देश को बनाने में जुटे हैं।

अमेरिका की तरह भारत में भी कोई राज्य दूसरे से सुपीरियर (ताकतवर) नहीं है। कोई धर्म, भाषा किसी दूसरी भाषा से सुपीरियर नहीं है। लोगों के विचारों को उनकी जाति, भाषा, धर्म, परंपरा या फिर इतिहास की परवाह किए बिना जगह दी जानी चाहिए। आरएसएस को लगता है भारत एक विचार पर बना है। हमें लगता है कि भारत कई विचारों से मिलकर बना है। चुनाव में लाखों को लगा कि प्रधानमंत्री संविधान पर हमला कर रहे हैं। इसलिए चुनाव के वक्त जब मैंने संविधान हाथ में उठाया तो लोग समझ गए कि भाजपा हमारी परंपरा, भाषा, राज्यों और हमारे इतिहास पर हमला कर रही है। मैंने संसद में अपने पहले भाषण में अभय मुद्रा का जिक्र किया। भाजप को यह बर्दाश्त नहीं हुआ। वे इसे समझ नहीं पाए, लेकिन हम इसे समझाकार रहेंगे। चुनाव के बाद लोगों में भाजप का डर खत्म हो गया।

69 हजार शिक्षक भर्ती की नई मेरिट लिस्ट पर रोक

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश 69,000 सहायक अध्यापक भर्ती मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने 16 अगस्त को आए इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने कहा- हाईकोर्ट का आदेश निलंबित रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार और दोनों पक्षों-अनुसूचित जाति व ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों और कार्यरत शिक्षकों से कहा कि लिखित दलीलें पेश करें। हम इस पर फाइनल सुनवाई करेंगे। हाईकोर्ट के फैसले के अध्ययन के लिए समय चाहिए। अब अगली सुनवाई 23 सितंबर को होगी। याचिका परिषदीय विद्यालयों में 4 साल से नौकरी कर रहे शिक्षकों ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की थी। याचिकाकर्ताओं में शिक्षक राघवेंद्र प्रताप सिंह, रवि प्रकाश पांडेय, शिवम चौबे और रवि सक्सेना सहित अन्य शामिल हैं। इनकी तरफ से एडवोकेट गौरव बनर्जी, एस. मुरलीधर, मुकुल रोहतगी, पीए सुंदरम ने पैरवी की। राज्य सरकार का पक्ष सुप्रीम कोर्ट में यूपी की अपर महाधिवक्ता एश्वर्या भाटी ने रखा। 16 अगस्त को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 69,000 शिक्षकों की भर्ती की जून 2020 और जनवरी 2022 की मेरिट लिस्ट रद्द कर दी थी। बेंच ने सरकार को सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा का रिजल्ट नए सिरे से जारी करने का भी आदेश दिया था। बेसिक शिक्षा विभाग को 3 महीने में नई चयन सूची जारी करनी थी। कोर्ट में शिक्षकों की भर्ती में 19 हजार सीटों पर आरक्षण घोटाला सामने आया था। ऐसे में बेंच ने आदेश दिया कि आरक्षण नियमावली 1981 और आरक्षण नियमावली 1994 का पालन करके नई लिस्ट बनाई जाए। इससे पहले लखनऊ हाईकोर्ट की सिंगल बेंच भी ये मान चुकी थी कि 69,000 शिक्षकों की भर्ती में 19,000 सीटों पर आरक्षण का घोटाला हुआ था।

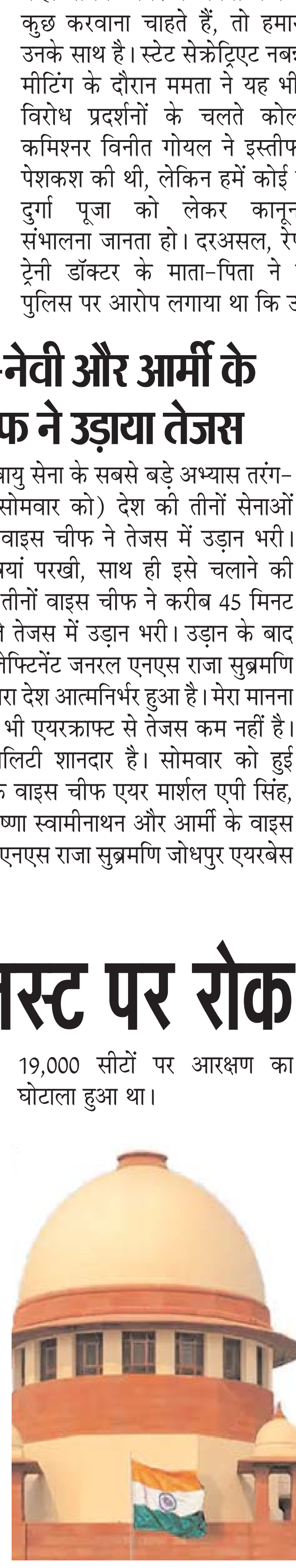

भारत 2030 युवा ओलंपिक के लिए दावेदारी पेश करेगा-खेल मंत्री

नयी दिल्ली । खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत 2030 में होने वाले युवा ओलंपिक के लिए बोली लगाने के लिए तैयार है, जो 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। वर्ष 2030 में पांचवें युवा ओलंपिक खेलों का आयोजन किया जाएगा। मांडविया ने यहां एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) की 44वीं महासभा के अवसर पर कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम 2030 में होने वाले युवा ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए बोली लगाने जा रहे हैं, लेकिन हमारा ध्यान 2036 ओलंपिक की मेजबानी पर है।'' इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, ''मोदीजी के नेतृत्व में हमने क्रिकेट विश्व कप, फुटबॉल अंडर-17 विश्व कप सहित कई अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया।'' युवा ओलंपिक 2023 की मेजबानी हासिल करने के लिए भारत के अलावा पेरू, कोलंबिया, मैक्सिको, थाईलैंड, मंगोलिया, रूस, यूक्रेन, बोस्निया और हर्जेगोविना भी दौड़ में शामिल हैं।

भारत के पिछले दो टेस्ट दौरों में ऑस्ट्रेलिया को उसकी मांद में हराने से प्रतिद्वंद्विता बढ़ी-ख्वाजा

नयी दिल्ली । आस्ट्रेलिया के सीनियर बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को लगता है कि भारत ने पिछली दो टेस्ट श्रृंखलाओं में उनकी टीम को उसकी मांद में हराकर दोनों टीमों के बीच प्रतिद्वंद्विता बढ़ा दी है। दोनों टीमें 22 नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की श्रृंखला में आमने सामने होंगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसके पिछले दो दौरों (2018-19 और 2020-21) में 2-1 के समान अंतर से हराया था। बल्कि भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की पिछली सभी चार श्रृंखलायें जीती हैं जिसमें 2016-17 और 2022-23 में अपनी सरजमीं पर मिली जीत भी शामिल हैं जिसमें भी नतीजा 2-1 का रहा था। ख्वाजा ने कहा, ''भारतीयों के लिए हमेशा ऑस्ट्रेलिया को हराना अहम रहा है। और हाल में भारत और आईपीएल के उदय के बाद से ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच भी प्रतिद्वंद्विता बढ़ी है। '' उन्होंने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, ''और विशेषकर तब जब भारत ने पिछली दो बार ऑस्ट्रेलिया को उसके ही मैदानों पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हराया है। '' बाएं हाथ के इस 37 वर्षीय सलामी बल्लेबाज ने कहा कि दोनों टीमों के बीच प्रतिद्वंद्विता बहुत बढ़ गई है। 2011 में पदार्पण करने के बाद 71 टेस्ट मैचों में 5451 रन बनाने वाले ख्वाजा ने कहा, ''हम पिछले दो साल से दुनिया की नंबर एक और दुनिया की नंबर दो टीमें हैं। हम पिछली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में खेले थे। प्रतिद्वंद्विता हमेशा बहुत बड़ी रही है। '' उन्होंने कहा, ''मैं इसे सम्मान के संकेत के रूप में लेता हूं और मुझे पता है कि भारतीयों को क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया को हराना पसंद है। और इतने सालों से ऑस्ट्रेलिया की जो परंपरा रही है कि वह विश्व क्रिकेट में सबसे प्रभावशाली टीमों में से एक है, उसने उस प्रतिष्ठा को दांव पर लगा दिया है। '' दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगा जबकि पांचवां और आखिरी टेस्ट तीन जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। एक अन्य वरिष्ठ खिलाड़ी मिशेल मार्श ने भारतीय खिलाड़ियों के साथ दोस्ती के साथ कड़ी प्रतिद्वंद्विता के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ''अगर आप हाल के इतिहास को देखें, तो हमने कुछ जीता है, उन्होंने कुछ जीता है। और मुझे लगता है कि जब यह इस तरह आगे-पीछे होता है तो आपके अंदर प्रतिद्वंद्विता बढ़ती है। भारतीय टीम और हमारी टीम में बहुत अच्छी दोस्ती है

नवदीप सिंह ने किया भारत का नाम रौशन

नई दिल्ली। नवदीप सिंह ने पैरालिंपिक में पुरुषों की भाला फेंक एफ41 में 47.32 मीटर थ्रो के साथ भारत के लिए पहला पदक जीता, और शुरुआती विजेता की अयोग्यता के बाद स्वर्ण पदक हासिल किया। बौनेपन से पीड़ित होने के बाद, नवदीप ने हरियाणा के पानीपत जिले में अपने गांव में बड़े होने के दौरान न केवल प्रशिक्षण की सामान्य कठिनाइयों को सहन किया, बल्कि दर्शकों के क्रूर ताने भी झेले। और शनिवार को उनका स्वर्ण पदक उनके लचीलेपन और दृढ़ संकल्प का प्रमाण था। यह न केवल उन्हें बल्कि कई अन्य विशेष रूप से सक्षम लोगों को भी प्रेरित करेगा, जो इसी तरह के भाग्य से गुजरे हैं। नवदीप सिंह ने कहा कि यह अच्छा अहसास है कि मैंने देश के लिए स्वर्ण पदक जीता। मैं बहुत खुश हूं। मुझे अच्छा लग रहा है कि भारत की पदक तालिका स्वर्ण पदक के साथ समाप्त हुई। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यूरोप में खेलों की संस्कृति हमेशा से बहुत अच्छी रही है...फ्रांस की जनता पैरास्पोर्ट्स का बहुत समर्थन करती है...मुझे बहुत अच्छा लग रहा है क्योंकि पैरा स्पोर्ट्स बहुत लोकप्रियता हासिल कर रहा है। नवदीप ने पहले रजत पदक जीता था जिसे बाद में स्वर्ण पदक में बदल दिया गया क्योंकि शुरुआती विजेता ईरान के सदेघ बेत सयाह को पुरुषों के नाटकीय भाला फेंक फाइनल के बाद बार-बार आपत्तिजनक ध्वज प्रदर्शित करने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

पंत टेस्ट में सर्वकालिक महान खिलाड़ी बनने की राह पर

कोलकाता । भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में सर्वकालिक महान खिलाड़ी बनने की राह पर हैं, लेकिन साथ ही उन्हें छोटे प्रारूपों में अपने प्रदर्शन में सुधार करने की जरूरत है। दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना में चोटिल होने के बाद पंत को रविवार को पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है और पूरी उम्मीद है कि बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से चेन्नई में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किया जाएगा। पंत ने इस साल के शुरू में सीमित ओवरों के प्रारूप में वापसी की थी और इनमें अच्छा प्रदर्शन किया था। गांगुली ने यहां एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान कहा,''मैं ऋषभ पंत को भारत के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाजों में से एक मानता हूं। उनकी टेस्ट क्रिकेट में वापसी से मैं हैरान नहीं हूं। वह भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में खेलते रहेंगे।'' उन्होंने कहा,''अगर वह इसी तरह प्रदर्शन करता रहा तो टेस्ट क्रिकेट के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शामिल हो जाएगा। मेरा मानना है कि उसे छोटे प्रारूपों में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। वह प्रतिभाशाली है और मुझे यकीन है कि वह जल्द ही ऐसा करने में सफल रहेगा।'' मोहम्मद शमी को टखने के ऑपरेशन के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया लेकिन गांगुली को विश्वास है कि यह तेज गेंदबाज इस साल के आखिर में होने वाले ऑस्ट्रेलियाई दौरे से पहले पूरी तरह फिट हो जाएगा। उन्होंने कहा,''मैं जानता हूं कि मोहम्मद शमी चोटिल होने के कारण टीम में शामिल नहीं है लेकिन वह जल्द ही वापसी करेगा क्योंकि भारत को ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है। भारत का आक्रमण अभी बहुत अच्छा है। '' गांगुली ने कहा,''मैं भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे का इंतजार कर रहा हूं। टीम की वहां असली परीक्षा होगी। इसके बाद टीम को जुलाई में इंग्लैंड का दौरा करना है और यह दोनों दौरे बेहद महत्वपूर्ण होंगे। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की मौजूदगी तथा शमी की वापसी से तब भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत होगा।'' बांग्लादेश ने हाल में पाकिस्तान को उसकी धरती पर हराया था लेकिन गांगुली का मानना है कि भारत को हराना बहुत मुश्किल होगा। उन्होंने कहा,'''पाकिस्तान को उसकी धरती पर हराना आसान नहीं होता इसलिए बांग्लादेश के खिलाड़ियों को बधाई। लेकिन भारतीय टीम अलग तरह की है तथा वह स्वदेश हो या विदेश दोनों जगह अच्छा प्रदर्शन करती है और उसकी बल्लेबाजी इकाई काफी मजबूत है।'' इस पूर्व कप्तान ने कहा,''मुझे नहीं लगता कि बांग्लादेश यहां जीत पाएगा। भारत श्रृंखला जीतेगा। लेकिन भारत को बांग्लादेश से कड़ी चुनौती मिल सकती है क्योंकि वह पाकिस्तान को हराने के बाद आत्मविश्वास के साथ यहां आ रहे हैं।'' गांगुली ने पाकिस्तान क्रिकेट के बारे में कहां की वहां प्रतिभा की वास्तविक कमी है। उन्होंने कहा,''मैं पाकिस्तान में प्रतिभा की वास्तविक कमी देखता हूं।जब भी हम पाकिस्तान के बारे में सोचते हैं, हमें मियांदाद, वसीम, वकार, सईद अनवर, मोहम्मद यूसुफ और यूनिस खान याद आते हैं। अब उसके पास इस तरह की प्रतिभा नहीं है। पाकिस्तान क्रिकेट से जुड़े लोगों को इस पर गौर करना होगा।

भारतीय क्रिकेट बेहद शक्तिशाली है क्योंकि हर जगह से आ रही है प्रतिभा-राहुल डेविड

बेंगलुरु । महान खिलाड़ी राहुल द्रविड़ ने कहा कि बढ़ते प्रतिभा पूल की बदौलत भारतीय क्रिकेट एक'बेहद शक्तिशाली' ताकत के रूप में विकसित हुआ है और यह अब देश के सुदूर कोने तक भी फैल गया है। टी20 विश्व कप में भारत की जीत के सूत्रधार रहे द्रविड़ ने कहा कि एक मजबूत क्लब क्रिकेट संस्कृति का राष्ट्रीय टीम में शहर के क्रिकेटरों के दबदबे की पुरानी प्रवृत्ति को खत्म करने में काफी योगदान है। माउंट जॉय क्लब के 50वें वर्ष के जश्न के दौरान भारत के पूर्व कोच ने कहा, ''अगर आप आज भारतीय क्रिकेट को देखें, तो भारतीय क्रिकेट बेहद मजबूत है, यह बेहद शक्तिशाली है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि प्रतिभाएं हर जगह से, देश के हर कोने से आती है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि अगर आप जीआर विश्वनाथ के समय में जाएं या जब मैं अपना करियर शुरू कर रहा था, तब भी ज्यादातर प्रतिभाएं बड़े शहरों या कुछ चुनिंदा राज्यों से आती थीं।'' उन्होंने कहा, '' छोटी जगहों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी क्रिकेट खेलने के लिए बड़े शहरों में आना पड़ता था। मेरा मानना है कि मौजूदा दौर में आप देख रहे हैं कि भारतीय क्रिकेट में हर जगह से खिलाड़ी आ रहे हैं।'' द्रविड़ में भारतीय क्रिकेट के बढ़े हुए स्तर का उदाहरण घरेलू क्रिकेट से दिया। उन्होंने कहा, ''आप अब रणजी ट्रॉफी के स्तर को देखिये , आप किसी भी टीम को हलके में नहीं ले सकते है।'' उन्होंने कहा, '' मैं किसी का अनादर नहीं कर रहा हूं लेकिन जब मैंने खेलना शुरू किया था तब दक्षिण क्षेत्र में तमिलनाडु और हैदराबाद को छोड़कर हम अन्य टीमों के प्रति थोड़े आश्वस्त होकर खेलते थे लेकिन अब आप ऐसा नहीं कर सकते है। हर टीम मजबूत है।

इब्राहिम जादरान का चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में खेलना संदिग्ध

ग्रेटर नोएडा । अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान का यहां चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में खेलना संदिग्ध है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सोमवार से यहां शुरू होने वाले अफगानिस्तान के टेस्ट मैच से पहले टीम के अंतिम अभ्यास सत्र के दौरान 22 वर्षीय सलामी बल्लेबाज के टखने में चोट लग गई। अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने मैच पूर्व संवाददाता सम्मेलन में बताया, '' अभ्यास सत्र में इब्राहिम (जादरान) के टखने में चोट लग गई थी। मैं अभी पूरी तरह से यह नहीं कर सकता हूं कि कल मैच से पहले उनकी क्या स्थिति होगी। हमें इस मामले में

इंतजार करना होगा।'' जादरान ने अफगानिस्तान के नौ में से सात टेस्ट खेले हैं। उन्होंने इस प्रारूप में अपना पहला शतक इस साल फरवरी में श्रीलंका के खिलाफ लगाया था। अफगानिस्तान को इस टेस्ट में पहले से ही स्पिनर राशिद खान की सेवाएं नहीं मिल रही है। लगातार बारिश के कारण इस ऐतिहासिक टेस्ट के लिए अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड की तैयारी प्रभावित हो रही है।

इंडिया बी के सामने पस्त हुई इंडिया ए की टीम

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2024 में इंडिया ए और इंडिया बी के बीच मुकाबला खेला गया। जिसे इंडिया बी ने जीत लिया। वहीं विकेटकीपर और बल्लेबाज ऋषभ पंत एक बार फिर चर्चाओं में हैं। पंत अक्सर मैदान पर अपनी बल्लेबाजी और मजाकिया अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर भी कमाल का है। वह कई बार ऐसी फनी हरकते करते दिखे जिससे विरोधी टीम के खिलाड़ी भी खुद को हंसने से नहीं रोक पाए। दरअसल, टूर्नामेंट में इंडिया बी का हिस्सा पंत ने मजाकिया अंदाज में इंडिया ए टीम के हडल के दौरान घुसबैठ कर दी। जिसके बाद उन्होंने चुपके से इंडिया ए का पूरा प्लान जान लिया। पंत का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। जिसे देखकर आप भी खुद को मुस्कुरान से नहीं रोक पाएंगे। पंत ने इंडिया ए वर्सेस इंडिया बी मुकाबले के चौथे दिन यानी रविवार को सुबह के समय हडल में घुसपैठ की। इंडिया एक के कप्तान शुभमन गिल मैदान पर उतरने से पहले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रहे थे। तभी पंत ने चोरी छिपे से इंडिया ए के हडल में सेंधमारी की और उनका प्लान जान लिया। कुछ देर बाद उन्होंने शुभमन की बातें सुनी और फिर तेज गेंदबाज आवेश खान के साथ मस्ती करने लगे। उसके बाद पंत

हंसते हुए वहां से चले गए।

वहीं कमेंटेटर ने ऑन एयर कहा कि, आज सुबह इंडिया ए की टीम हडल में नीली टी-शर्ट पहने ये शख्स कौन है। ये इंडिया बी के ऋषभ पंत हैं। उन्हें प्लान पता चल गया है। पंत के वीडियो पर क्रिकेट फैंस जमकर ठहाके लगा रहे हैं। फिलहाल मैच की बात करें तो, दूसरी पारी में पंत ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। उन्होंने 47 गेंदों में 61 रन की पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 2 छक्के शामिल हैं। वह पहली पारी में सात रन बनाकर आउट हो गए थे। इंडिया बी ने बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में इंडिया ए को 76 रन से हरा दिया।

कप्तानों को जल्दबाजी में बर्खास्त न करें-कर्स्टन ने पीसीबी से कहा

कराची । पाकिस्तान के सीमित ओवरों और टेस्ट टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी ने देश के क्रिकेट बोर्ड को सभी प्रारूपों में हालिया खराब प्रदर्शन के बाद जल्दबाजी में कप्तान नहीं बदलने की सलाह दी है। भारत में 2023 में खेले गए एकदिवसीय विश्व कप के राउंड रॉबिन दौर से बाहर होने के बाद बाबर आजम को सीमित ओवरों की कप्तानी से बर्खास्त कर दिया गया था। उनकी जगह लेने वाले शाहीन शाह अफरीदी को एक खराब श्रृंखला के बाद हटा दिया गया था। इसी तरह टेस्ट में बाबर के इस्तीफा देने के बाद, शान मसूद को कप्तान बनाया गया था, लेकिन बांग्लादेश से टेस्ट श्रृंखला में 0-2 से हार के बाद उन्हें तुरंत बाहर करने की मांग उठ रही है। पीसीबी के एक सूत्र ने हालांकि 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मसूद

और बाबर की बर्खास्तगी के बारे में हालिया मीडिया अटकलें कयास से ज्यादा कुछ नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''कप्तानों को बदलने पर कोई चर्चा नहीं हुई है क्योंकि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने यह फैसला दोनों कोच और चयनकर्ताओं पर छोड़ दिया है।'' सूत्र ने कहा, ''कर्स्टन और गिलेस्पी बहुत स्पष्ट है कि शान और बाबर दोनों को उनकी नेतृत्व क्षमता का आकलन करने से पहले उचित समय दिए जाने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा कि दोनों कोच कप्तानी में निरंतरता चाहते हैं और उन्होंने यह बात बोर्ड को साफ तौर पर बता दी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब बोर्ड इस महीने के अंत में लाहौर में 'क्रिकेट कनेक्शन' नामक एक दिन की कार्यशाला आयोजित करेगा तो कप्तानी या टीम चयन पर चर्चा नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, ''वह कार्यशाला सभी हितधारकों, मुख्य रूप से घरेलू टीम के सभी कोच, चयनकर्ताओं और अनुबंधित खिलाड़ियों के विचारों को सुनने के लिए आयोजित की जा रही है ताकि बोर्ड घरेलू क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मानकों के बीच अंतर को पाटने पर काम कर सके।'' सूत्र ने यह भी बताया कि इस कार्यशाला में कर्स्टन भी मौजूद रहेंगे जबकि गिलेस्पी इसमें ऑनलाइन तरीके जुड़ेंगे। पीसीबी प्रमुख से कहा था कि सभी प्रारूपों में टीम से दीर्घकालिक परिणाम प्राप्त करने के लिए नीतियों में धैर्य और निरंतरता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''कार्यशाला मूल रूप से इसलिए आयोजित की जा रही है क्योंकि दोनों कोच चाहते हैं कि घरेलू टीम के कोच इस बात को अच्छी तरह से समझे कि राष्ट्रीय टीम के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए क्या जरूरी है।'

अपर कलेक्टर ने समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में दिये निर्देश

9 तारीख के बाद दूसरे विभाग को नहीं होगी कोई शिकायत ट्रांसफर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को आयोजित समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे ने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में अपने विभाग से संबंधित शिकायत नहीं होने पर उस माह की 9 तारीख के पूर्व दूसरे विभाग को ट्रांसफर की जा सकेंगी। चालू माह की 9 तारीख के पश्चात कोई भी शिकायत एक विभाग द्वारा दूसरे विभाग को ट्रांसफर नहीं की जा सकेगी। बैठक में आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, एसडीएम एपी द्विवेदी, नीरज खरे, आरएन खरे, राहुल सिलाडिया, जीतेन्द्र वर्मा सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे ने कहा कि सभी अधिकारी अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण करे। उन्होंने कहा कि प्रायः विभागों द्वारा कार्य क्षेत्र से संबंधित नहीं होने वाली शिकायतों को 9 तारीख के बाद दूसरे विभाग को स्थानांतरित किया जाता है जिससे उस शिकायत में समय पर कार्यवाही नहीं होने पर विभाग की ग्रेडिंग में कमी आती है। कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा के निर्देशानुसार कार्य क्षेत्र से बाहर की शिकायत प्रत्येक माह के प्रारंभ होने के 8 तारीख तक ही करें। ताकि संबंधित विभाग को संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के लिए समय प्राप्त हो सके। सीएम हेल्पलाइन ग्रेडिंग के कारण कार्यक्षेत्र से बाहर का विकल्प पोर्टल में स्वतः ही 18 से 22 तारीख तक शासन स्तर से स्वतः बंद होता है। यदि किसी शिकायत को अति आवश्यक होने पर दूसरे विभाग में स्थानांतरित करना है तो कलेक्टर अनुमोदन उपरांत ही उस माह की 16 तारीख तक कार्य क्षेत्र से बाहर की जा सकेंगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि शिकायतों को अनावश्यक रूप से कार्य क्षेत्र से बाहर नहीं करें तथा शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपूर्ण नियमानुसार निराकरण करें। बैठक में राजस्व अभियान की समीक्षा करते हुए अपर कलेक्टर ने कहा कि नक्शा विहीन ग्रामों के लिए प्रत्येक एसडीएम अपनी तहसीलों में हर हफ्ते एक तहसील के हल्का पटवारी को एक हल्के का नक्शा कंपलीट करने के टारगेट का सेडयूल बनाकर प्रस्तुत करें। इसी तरह एक माह में एक तहसील में चार हल्कों का टारगेट सेडयूल तैयार उसकी निगरानी भी करें। अपर कलेक्टर ने राजस्व अभियान और जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि जनपद के सीईओ ग्राम पंचायत के सचिवों के माध्यम से जल निगम के कार्यों का वेरीफिकेशन करायें और रोड रेस्टोरेशन के कार्य की निगरानी भी करें। अपर कलेक्टर ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्यान्न का उठाव और वितरण हाईकोर्ट और टीएल के प्रकरण की भी समीक्षा की।

मुख्य सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से की तैयारियों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्वच्छ भारत मिशन के तहत पूरे प्रदेश में 17 सितंबर से गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा 2024 कार्यक्रम मनाया जायेगा। स्वच्छ भारत मिशन के शुभारंभ की 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम के साथ ही पखवाडे में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। मध्यप्रदेश शासन की मुख्य सचिव वीरा राणा ने सोमवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिला कलेक्टर, नगरीय निकायों और पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को स्वच्छता ही सेवा अभियान के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। सतना कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर अनुराग वर्मा, सीईओ जिला पंचायत सुश्री संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में बताया गया कि स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के 3 मुख्य स्तम्भ होंगे। जिनमें स्वच्छता की भागीदारी के अंतर्गत जागरूकता बढाने, शपथ प्रतियोगितायें, वाक थान, वृक्षारोपण जैसी गतिविधियों के माध्यम से जनभागीदारी को बढावा देकर नागरिकों, समुदाय और संगठनों का जुडाव हासिल किया जायेगा। श्रमदान के माध्यम से सम्पूर्ण स्वच्छता के अंतर्गत लोगों के साथ श्रमदान कर मेगा, सफाई अभियान का संचालन सडकों, रेल्वे स्टेशन, जल निकाय, सामुदायिक परिसम्पत्तियों में पडे खुले कचरे के ढेरों पर ध्यान केन्द्रित किया जायेगा और लक्षित इकाईयों के साथ स्वच्छ बनाने का कार्य किया जायेगा। प्रत्येक ग्राम को सौदर्यीकरण वृक्षारोपण कचरा से कला आदि गतिविधियों से स्वच्छ सुंदर बनाया जायेगा। तीसरे घटक के रूप में स्वच्छता और सफाई कार्य में संलग्न सफाई मित्र के सुरक्षा शिविर लगाये जायेंगे। जिसमें स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभांवित किया जायेगा। मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने कहा कि 17 सितंबर को नगरीय क्षेत्रों और ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ किया जाये। स्वच्छता के लिए ब्लैक स्पाट का चिन्हांकन लोगों की जानकारी के आधार पर किया जाये। अभियान के दौरान उस ब्लैक स्पाट को साफ स्वच्छ करने के प्रयास किये जाये। उन्होंने कहा कि ब्लैक स्पाट के चिन्हांकन और इसकी सूचना निकायों को देने की प्रक्रिया का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाये। मुख्य सचिव ने कहा कि 17 सितंबर को सभी जिलों में जन औषधि केन्द्रों का संचालन भी शुरू किया जाना है। इसके लिए आवश्यक तैयारियों भी शुरू करके रखें।

मैहर और सतना जिले की 3 लाख 84 हजार बहनों को मिले 47 करोड

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर जिले के बीना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना 2023 की सितंबर माह की मासिक आर्थिक सहायता के रूप में प्रदेश भर की 1 करोड़ 29 लाख लाडली बहना लाभार्थी हितग्राहियों को 1574 करोड रुपए से अधिक की राशि उनके खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। सतना और मैहर जिले की कुल 3 लाख 84 हजार 173 लाडली बहना हितग्राहियों को 47 करोड़ 9 लाख रूपये की राशि उनके खातों में अंतरित की गई है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश भर के 55 लाख से अधिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों को 332.45 करोड रूपये की राशि भी अंतरित की। लाडली बहना योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिला मुख्यालय पर सतना कलेक्ट्रेट के एनआईसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में देखा गया। इस अवसर पर कलेक्टर अनुराग वर्मा, सीईओ जिला पंचायत सुश्री संजना जैन, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास सौरभ सिंह, सहायक संचालक श्याम किशोर द्विवेदी, परियोजना अधिकारी पुनीत शर्मा, अरूणेश तिवारी, अभय दिवेद्वी सहित सामाजिक सुरक्षा योजना और लाडली बहना योजना के हितग्राही भी उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर जिले के बीना में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीना सहित पूरे बुदेंलखण्ड क्षेत्र के विकास के लिए लगभग 1 लाख करोड रूपये की परियोजनायें संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में सभी प्रकार की अनूकूलता और संभावनायें मौजूद है। मध्यप्रदेश देश का हदय प्रदेश है। क्षेत्र में बीना सिंचाई परियोजना नये रेल नेटवर्क और राजमार्गों का नेटवर्क बिछाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 27 सितंबर को सागर में इंडस्ट्रीयल कानक्लेव का भी आयोजन होगा। जिसमें बुंदेलखण्ड के लिए करोडों रूपये का औद्योगिक निवेश भी होगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शीघ्र ही पूरे देश में नम्बर एक का राज्य बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में नये रेल नेटवर्क भी बिछाये जायेंगे। जिन क्षेत्रों में भी रेल की संभावनायें बन सके। वहां का प्रस्ताव प्रस्तुत करें। राज्य सरकार हर संभव सहयोग करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखण्ड के युवा एवं बेरोजगार चिंता नहीं करें। यहां आईटी पार्क बनेगा और बीना में पालीटेक्निक खोलने के साथ ही पैट्रो केमिकल्स के कोर्स भी खुलेंगे। बीना में एक और आईटीआई खोला जायेगा तथा बीना को नगर पंचायत का दर्जा दिये जाने के साथ ही बीना के चारों तरफ वायपास सडक भी बनाई जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नये संभाग और जिला बनाने के लिए मध्यप्रदेश में आयोग भी बना दिया गया है। जिसके सुझाव और रिपोर्ट के आधार पर नये संभाग और जिले बनाये जायेंगे। जिसमें बीना का नाम भी शामिल होगा।

मैहर और सतना जिले की 3 लाख 84 हजार बहनों को मिले 47 करोड: मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना में सितंबर माह की मासिक आर्थिक सहायता के रूप में सतना और मैहर जिले की कुल 3 लाख 84 हजार 173 लाडली बहना हितग्राहियों को 47 करोड़ 9 लाख रूपये की राशि उनके खातों में अंतरित की गई है। इनमें सतना जिले की 2 लाख 52 हजार 306 हितग्राही महिलाओं को 30 करोड 91 लाख और मैहर जिले की 1 लाख 31 हजार 841 लाडली बहना हितग्राहियों को 16.18 करोड की राशि अंतरित की गई है।

मैहर में नगर पालिका सभागृह में देखा गया कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर जिले के बीना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना 2023 की सितंबर माह की मासिक आर्थिक सहायता के रूप में प्रदेश भर की 1 करोड़ 29 लाख लाडली बहना लाभार्थी हितग्राहियों को 1574 करोड रुपए से अधिक की राशि उनके खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। सतना और मैहर जिले की कुल 3 लाख 84 हजार 173 लाडली बहना हितग्राहियों को 47 करोड़ 9 लाख रूपये की राशि उनके खातों में अंतरित की गई है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश भर के 55 लाख से अधिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों को 332.45 करोड रूपये की राशि भी अंतरित की। लाडली बहना योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मैहर जिला मुख्यालय पर नगर पालिका परिषद मैहर के सभागार में देखा गया। इस अवसर पर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, नगर पालिका अध्यक्ष गीता सोनी, कलेक्टर रानी बाटड, सीएमओ लालजी ताम्रकार, महिला बाल विकास अधिकारी राजेन्द्र बांगरे, सीडीपीओ विद्याचरण तिवारी सहित पार्षदगण एवं लाडली बहना उपस्थित रही।

मैहर जिले में स्थानीय अवकाश घोषित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रानी बाटड ने सामान्य पुस्तक परिपत्र के नियम तथा अधिसूचना के अनुसार मैहर जिले के लिए वर्ष 2024 में तीन स्थानीय अवकाश पूरे दिवस के लिए घोषित किये है। जिनमें 17 सितंबर मंगलवार गणेश विसर्जन, 11 अक्टूबर शुक्रवार दशहरा महानवमी और 1 नवंबर शुक्रवार दीपावली का दूसरा दिन स्थानीय घोषित किये गये है। यह अवकाश बैंक और कोषालय पर लागू नहीं होगा।

कोर्ट के फैसले के बाद भी हटने को तैयार नहीं था अतिक्रमणकारी

प्रशासन ने मुक्त कराई मुक्ति धाम की जमीन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के निकटवर्ती गांव मोहन्ना में प्रशासन की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए मुक्ति धाम की भूमि को अतिक्रमणकारी के कब्जे से मुक्त कराया।

नायब तहसीलदार मुन्नीलाल तिवारी ने सोमवार को टीआई कोलगवां सुदीप सोनी, पटवारी सतेंद्र पांडेय, राजस्व निरीक्षक और पुलिस बल के साथ मोहन्ना पहुंच कर जेसीबी से सतीश केवट नामक अतिक्रमणकारी का अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिया।

सतीश केवट ने यहां मुक्तिधाम की 59 डिसमिल जमीन पर कब्जा कर पक्का निर्माण कर लिया था। मामला सिविल कोर्ट भी पहुंचा था जहां शासकीय अभिभाषक रमेश मिश्रा ने पैरवी की थी। सिविल कोर्ट ने शासन के पक्ष में आदेश भी पारित किया था।

प्रशासन ने अतिक्रमणकारी सतीश केवट को कब्जा हटा लेने का नोटिस भी दिया था लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं था। नतीजतन सोमवार को प्रशासन एक्शन में आया और उसका बेजा कब्जा ढहा दिया गया। हालांकि इस दौरान उसने विवाद की भी कोशिश की लेकिन भारी पुलिस बल की मौजूदगी ने उसकी कोशिश को नाकाम कर दिया। प्रशासन की इस कार्रवाई से ग्रामीणों ने भी राहत की सांस ली है, उनमें मुक्ति धाम निर्माण की उम्मीद जाग गई है।

महिला क्रिकेट अकादमी के लिए प्रतिभा चयन की अंतिम तिथि आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। म.प्र. राज्य महिला क्रिकेट अकादमी, शिवपुरी के खिलाड़ियो का वर्ष 2024-25 में 7 रिक्त सीट बोर्डिंग के लिए प्रतिभा चयन कार्यक्रम 9 एवं 10 सितंबर 2024 को श्रीमंत माधवराव सिंधिया जिला खेल परिसर शिवपुरी में प्रातः 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक एवं दोपहर 2 बजे से शाम 6.30 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। प्रतिभा चयन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए महिला खिलाड़ियों की आयु 14 से 21 वर्ष के मध्य होना अनिवार्य है, आयु की गणना 1 जुलाई 2024 की स्थिति में की जायेगी। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि जिले के पूर्व वर्षों में एसजीएफआई की बालिका खिलाडी एमपीसीए या अन्य राज्य के क्रिकेट खेल संघ द्वारा आयोजित विभिन्न राज्य स्तरीय या राष्ट्रीय स्तर के बालिका खिलाडी अन्य प्रतिभावान खिलाडी चयन ट्रायल में शामिल हो सकते है। जिले की ऐसी महिला खिलाड़ी जिनकी क्रिकेट में रूचि हो, वे 9 एवं 10 सितम्बर 2024 को आयोजित प्रतिभा चयन स्थल पर आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, मूल निवासी एवं स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र की मूल कॉपी एवं उनकी छायाप्रति सहित उपस्थित हो सकती है।

दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण के लिए शिविर 17 सितम्बर को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अनुराग वर्मा द्वारा जारी आदेशानुसार भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम रिछाई (एलिम्को) जबलपुर द्वारा माह फरवरी 2024 में जनपदों एवं नगर पालिक निगम सतना के दिव्यांगजनों के हुए परीक्षण शिविरों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदाय किये जाने के लिए चिन्हाकित किया गया है। जिसका वितरण 17 सितंबर को सेवा शिविर के माध्यम से किया जाना है। सेवा शिविर का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 में सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता में किया जाना है। शिविर के एक सप्ताह पहले जबलपुर से दिव्यांगजनों के लिए आने वाली सामग्रियों को व्यवस्थित एवं विद्यालय के कमरों में सुरक्षित रखकर मैकेनिकों द्वारा कंपलीट कराई जायेगी। इसके लिए दिव्यांगजनों के सेवा शिविर हेतु व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी।

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर 11 सितंबर को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम एवं कार्यपालन अभियंता द्वारा बताया गया कि जिले के समस्त विद्युत उपभोक्ताओं को जिनके द्वारा वितरण केन्द्र स्तर पर गलत विद्युत देयकों के सुधार अथवा मीटर आदि से संबंधित शिकायते की गई हो एवं उनका निराकरण लंम्बित हो। ऐसे उपभोक्ताओं के शिकायतो के निराकरण हेतु अध्यक्ष वृत्त स्तरीय विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम के द्वारा शिविर का आयोजन 11 सितंबर को दोपहर 12 बजे से सायं 4 बजे तक कार्यालय अधीक्षण अभियंता के सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। जिसमें उपभोक्ता उपस्थित होकर लंम्बित शिकायतों के निराकरण हेतु अपना अभ्यावेदन 3 प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते है। उपभोक्ताओं के आवेदनों पर सुनवाई की जाकर प्रकरण को निराकृत किया जायेगा।

आंगनवाडी केन्द्रों में पोशण भी पढ़ाई भी थीम पर गतिविधियों का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत सोमवार को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले की आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण भी पढाई भी थीम पर विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास सौरभ सिंह ने बताया कि सभी आंगनवाडी केन्द्रों में अभियान अंतर्गत शिक्षा चौपाल के तहत 6 साल तक के बच्चों को खेल-खेल में पढाई, खेलों द्वारा सीखो प्रतियोगिता, समुदाय आधारित स्थानीय खेलों के माध्यम से पढाई से संबंधित जानकारी दी गई। साथ ही वर्तमान में बच्चों को जंक फूड के सेवन से होने वाले साइड इफेक्ट एवं जंक फूड को न खाने की सलाह दी गई। कुछ आंगनवाडी केन्द्रों में मोटे अनाज एवं पूरा पोषण आहार से बने व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाकर स्थानीय लोगों को स्थानीय खाद्य पदार्थ एवं मोटे अनाज से मिलने वाले पोषण के महत्व के बारे में बताया गया। पोषण माह के तहत 6 माह से अधिक उम्र के बच्चों को ऊपरी आहार दिए जाने की समझाईश देने के साथ बच्चों के हाथ धुलाई की गतिविधियां संपन्न कराई गईं। जिसमे स्थानीय जन समुदाय, गर्भवती महिला, धात्री माता, किशोरी बालिकाएं एवं बडी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे।

औषधि केन्द्र का संचालन 17 सितंबर को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश रेडक्रास भोपाल एवं डायरेक्टर हेल्थ के निर्देशानुसार म.प्र. के समस्त जिलों में 17 सितंबर को प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र का संचालन किया जाना है।

जिले में 11.94 लाख व्यक्तियों को दी जाएगी कृमिनाशी दवा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा और मऊगंज जिले में 10 सितम्बर को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाएगा। इन दोनों जिलों में 10 सितम्बर को 11 लाख 94 हजार 423 व्यक्तियों को कृमिनाशी दवा एलवेंडाजोल खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने अभियान के तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि कृमिनाशी दवा खिलाने के लिए स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आदिमजाति कल्याण विभाग तथा शिक्षा विभाग मिलकर प्रयास करे। प्रत्येक लक्षित व्यक्ति को कृमिनाशी दवा अनिवार्य रूप से खिलाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सभी विकासखण्डों में दवाओं की उपलब्धता तथा वितरण सुनिश्चित करें। दवा खिलाने के लिए स्कूलों में विशेष शिविर लगाएं।

कलेक्टर ने कहा कि सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों में आशा कार्यकर्ता तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बच्चों एवं महिलाओं को निर्धारित मात्रा में एलवेंडाजोल की दवा खिलाएं। इस पूरे अभियान में जिला और विकासखण्ड स्तर से दवा खिलाने की मॉनीटरिंग करें। सभी एसडीएम भी अभियान की निगरानी करें। दवा खिलाने के साथ-साथ निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाइन फीडिंग भी समय पर कराएं। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि अभियान के दौरान एक से 19 साल तक के 9 लाख 60 हजार 352 बच्चों तथा 20 से 49 साल तक की 2 लाख 34 हजार 71 महिलाओं को एलवेंडाजोल दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। बीमार बच्चों तथा गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को दवा नहीं खिलाई जाएगी। सभी विकासखण्डों में पर्याप्त मात्रा में दवा भण्डारित कर दी गई है। जो व्यक्ति 10 सितम्बर को किसी भी कारण से वंचित रह जाएंगे उन्हें 12 और 13 सितम्बर को दवा खिलाई जाएगी। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि कृमिनाशी दवा खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है तथा स्वास्थ्य और पोषण में सुधार होता है। एनीमिया का भी बड़ा कारण कृमि का प्रकोप है। एलवेंडाजोल खाने से एनीमिया पर भी नियंत्रण होता है। एक से दो साल तक के बच्चों को आधी गोली दी जाएगी।

शेष सभी को एक गोली दी जाएगी। दवा को तीन से 19 साल तक के बच्चे तथा महिलाएं चबाकर खाएंगे तो वह अधिक कारगर होगी। बैठक में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ बीके अग्निहोत्री ने अभियान के तैयारियों की जानकारी दी। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, सहायक कलेक्टर प्रपंज आर, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, सभी एसडीएम एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।